8 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-1 जुलाई-अगस्त 2025 पृष्ठ-48 मूल्य : ₹ 20.00

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

'कुमावत महिला प्रतिभा' केवल एक वाक्यांश नहीं, बल्कि हमारे कुमावत समाज और व्यापक रूप से संपूर्ण समाज की सशक्त और प्रगतिशील महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह उन सभी महिलाओं का प्रतीक है जो अपनी मेधा, दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक परिश्रम से अपने परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। वे न केवल पारंपरिक भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं, बल्कि आधुनिकता और प्रगति के साथ कदम से कदम मिलाकर चलती हैं, रूढ़ियों को तोड़ती हैं और नई मिसालें कायम करती हैं।

आज की कुमावत महिला प्रतिभाऐं, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर विश्वविद्यालयों में अध्यापन कर रही हैं और शोध कार्यों में संलग्न हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, और गणित जैसे क्षेत्रों में भी उनकी उपस्थिति बढ़ रही है। व्यवसाय के क्षेत्र में कई कुमावत महिलाएँ सफल उद्यमी बन रही हैं, अपने स्वयं के व्यवसाय स्थापित कर रही हैं और दूसरों को रोज़गार के अवसर प्रदान कर रही हैं। वे छोटे पैमाने के कुटीर उद्योगों से लेकर बड़े व्यावसायिक उद्यमों तक, हर जगह अपनी प्रबंधन क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं।

सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में भी कुमावत महिला प्रतिभाऐं सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। वे ग्राम पंचायतों से लेकर शहरी निकायों तक, विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व की भूमिकाएँ निभा रही हैं। समाज सेवा के कार्यों में उनकी भागीदारी सराहनीय है, जहाँ वे वंचितों की सहायता करती हैं और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज़ उठाती हैं। कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी कुमावत महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, चाहे वह पारंपरिक लोक कला हो या आधुनिक कला रूप।

कुमावत महिला प्रतिभा की सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे कुमावत समाज की प्रगति का दर्पण है। उनकी उपलब्धियाँ अन्य महिलाओं, विशेषकर युवा लड़कियों को प्रेरित करती हैं कि वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ें। वे लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत संदेश देती हैं। यह दर्शाती हैं कि अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर कुमावत महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और वास्तव में, वे हमारे बदलते और विकसित होते समाज का एक गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक चेहरा हैं। उनकी निरंतर प्रगति हमारे समाज के उज्जवल भविष्य का आधार है।

इस अंक में हम ऐसी महिलाओं का विवरण प्रकाशित कर आप के समक्ष रख रहे हैं। आशा है हमारे समाज की प्रतिभावान महिलाएं नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। किन्तु पुरुष वर्ग को उन्हें समर्थन देना होगा। समाज की महिलाएं और बुलन्दियां छुए यही हमारी अपील है।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
संरक्षक श्री इंद्र चन्द कुमावत	4
महिला विशेषांक	5-12
संगीत संध्या 'तुझको पुकारे मेरा प्यार' में गूंजे सुनहरे दौर के नग़मे''	13
मिशन इसानियत से गोपाल को प्रवासी समाज बंधुओं का मिला भरपूर सहयोग	13
रंगीलो सावन में लहरियों की रंगत और सावन की फुहारों संग झूमा कुमावत महिला मंडल	14
लहरिया उत्सव	14
बीकानेर हाउस में तीज महोत्सव आयोजित	14
पुष्कर में 'रिश्ता' कुमावत युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ	15
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा जयपुर शहर कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न	15
मोटिबेशनरल सेमिनार आयोजित	15
कनिका कुमावत का AIIMS देहली में ऑल इण्डिया में 24वां स्थान	16
पवन कुमावत ने वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग थाईलैंड में जीता ब्रॉन्ज मेडल	16
रमेश चंद कुमावत आईआईटी रुड़की में सहायक प्रोफेसर नियुक्त	16
पत्रकार मोना कुमावत बने प्रदेश मीडिया प्रभारी	16
समाज गौरव लेफ्टिनेन्ट निखिल राजोरिया	17
सीएफओ विकास कुमावत राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत	17
डीडी कुमावत आरसीए के कन्वीनर बनाए गए	17
गौरव कुमावत को पीएचडी की उपाधि	17
श्याम सुंदर अध्यक्ष, दया शंकर महामंत्री नियुक्त	17
कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट सावन महोत्सव सम्पन्न	18
कुमावत ने जरूरतमंद के लिए किया रक्तदान	18
कौशल कुमावत ने MBBS किया	19
लक्ष्मी सिहोटा ने AIMS परीक्षा उत्तीर्ण की	19
जयश्री कुमावत ने ताइक्वांडो में जीता स्वर्ण	19
डूबते हुए युवक को बचाने के लिए थानेदार ने लगाई नदी में डुबकी	19
आजादी के 78 वर्ष बाद भी कुमावत समाज राजनति में पेठ नहीं बना सका	20
डॉ. कलाम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड -2025	20
महिला विशेषांक	21-22
विज्ञापन	23-26
महिला विशेषांक	27-28
15 अगस्त पर सम्मान/झण्डारोहण	29
श्री गणेश-प्रथम पूज्य	30
विज्ञान : विकास या विनाश	31
महेन्द्र कुसुम्बिवाल निर्विरोध अध्यक्ष, कोटा	31
नारी, अब समय है अपनी उड़ान का—आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ	32
ढूंढिये वजह मुस्कराने की-8	33
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	34
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	35
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	36
महिला विशेषांक	37-43
विज्ञापन	44-46

संरक्षक

श्री इंद्र चन्द कुमावत

पुत्र स्व. श्री गोपाल लाल कुमावत निवासी एम-76, 6डी, इंजीनियर्स कॉलोनी, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर।

मधुर एवं सौम्य स्वभाव के धनी श्री इन्द्र चन्द्र कुमावत की शैक्षणिक योग्यता B.Com., LL.B, LL.M, Diploma in Criminology, NET, pursuing Ph.D है। इन्होंने प्रारम्भ से शिक्षा को महत्व दिया और अनेक डिग्रियां ली। ये अभी सहायक आचार्य के पद पर राजकीय महाविद्यालय, बूंदी में पदस्थापित है। इनकी पत्नी श्रीमती रजनी राजोरिया भी B.Sc., B. Ed., MA (Political Science) है तथा वरिष्ठ अध्यापक के पद पर सांगानेर जयपुर में कार्यरत है। इनके श्वसुर श्री राजेश राजोरिया सहायक लेखा अधिकारी राजस्थान के पद से सेवानिवृत्त हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपका स्वागत करते हुए आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

पल्लवी वर्मा, IAS

इन्दौर निवासी पल्लवी वर्मा (कुमावत) पुत्री श्रीमती मंजू-श्री चन्द्र प्रकाश धमुनिया (सिविल कान्ट्रेक्टर) ने भारतीय प्रशासनिक अधिकारी है। पल्लवी सातवें प्रयास तथा तीसरे साक्षात्कार में सफल रही। पल्लवी ने बी.टेक. (बायो टेक्नोलॉजी) से किया तथा 1 वर्ष चेन्नई में साफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य किया है। ये तमिलनाडु कैडर में हैं तथा 14 दिसम्बर, 2023 को Tiruvannamalai district Cheyyar में सहायक कलेक्टर के पद पर ज्वांइन किया था। आपके पूर्वज ग्राम महारकलां, सामोद (राजस्थान) के हैं तथा इनके माता-पिता अभी इंदौर में निवास कर रहे हैं।

पल्लवी वर्मा अपनी मेहनत निरन्तर प्रयास तथा विश्वास से लक्ष्य के अनुरूप IAS बनी हैं। इससे यह जाहिर है कि व्यक्ति अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरन्तर प्रयास करें तो एक दिन वह अवश्य सफल होता है।

निधि तुनवाल कुमावत, RJS

पत्नी RPS रीतेश कुमार (Dy.S.P.) व पुत्री श्री किशन लाल तूनवाल

श्रीमती निधि तुनवाल ने LLB, LLM (गोल्ड मैडलिस्ट) है। ये मूलत: सुजानगढ़ चूरू की हैं तथा वर्तमान निवास सरस्वती सदन, बिलाड़ा, जोधपुर है। ये अपनी मेहनत व लगन से राजस्थान लोक सेवा आयोग की RJS प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में ये सिविल न्यायाधीश एवं ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (RJS) के पद पर गंगानगर में पदस्थापित है। ये हमारे समाज की युवतियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। इनके पति श्री रीतेश कुमार राजस्थान पुलिस में Dy. SP हैं।

ज्योति कुमावत, IAS

B.Sc (Bio), M.A. (Political Science) NET, JRF and Ph.D (शोद्यार्थी)

श्री रामकरण पुत्री ज्योति कुमावत की शिक्षा झुंझुनूं में हुई। भारतीय सिविल सेवा परीक्षा के प्रथम प्रयास में साक्षात्कार तक पहुँची तथा द्वितीय प्रयास में उत्तीर्ण हो 433वीं रैंक प्राप्त की।

ज्योति कुमावत ने यह उपलब्धि कठिन परिश्रम, दृढ़ निश्चय तथा लक्ष्य के प्रति समर्पण से अर्जित की। इसमें उन्होंने अपनी पारिवारिक परिस्थिति को आड़े नहीं आने दिया और अपने पिता के सपनों को पूरा कर दिखाया। IAS अधिकारी बनना कुमावत समाज के लिए गौरव की बात है। नि:सन्देह हमारे समाज की युवतियां इनसे प्रेरित होंगी तथा कुमावत समाज से आगे और अधिक IAS बन पायेंगी।

प्रियंका कुमावत, RPS

पुत्री श्री राजेन्द्र कुमावत (कुसुम्बीवाल) निवासी कुचामन सिटी।

प्रियंका कुमावत का राजस्थान लोक सेवा आयोग से राजस्थान पुलिस सेवा (RPS) में वर्ष 2017 में चयन हुआ। ये अभी जोधपुर में एडिशिनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम एण्ड विजीलैंस) के पद पर पदस्थापित हैं।

प्रियंका कुमावत ने एम.ए. इतिहास विषय में किया तथा ये गोल्ड मेडलिस्ट रही हैं, इन्होंने NET भी क्वालिफाई किया। पुलिस विभाग में रहते हुए उनका व्यवहार सौम्य है तथा ये पूरी निष्ठा से अपना कर्तव्य निभाती हैं।

श्रीमती अनुश्री जालवाल

सहायक अभियंता, जल संसाधन विभाग

पुत्री श्रीमती शकुन-श्री सुरेश जालवाल, पति श्री रोहन राहोरिया।

कुमावत समाज की इस होनहार बेटी व गौरवशाली बेटी ने भारत के प्रतिष्ठित संस्थान IIT गांधीनगर से M.Tech (Structural Engineering) की डिग्री ली। यह केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि उन तमाम लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहती हैं।

आज ये न केवल एक कुशल अभियंता हैं, बल्कि एक जिम्मेदार बहू, बेटी और पत्नी के रूप में भी अपने दायित्वों का संतुलन बखूबी कर रही हैं। तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए अनुश्री का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डॉ. निमिता भारती, MBBS, M.S. (Obst. & Gynae.)

पत्नी डॉ. रवीन्द्र भारती (नीमिवाल) निवासी 54, बरकत नगर, जयपुर।

डॉ. निमित भारती, पूर्व प्रमुख विशेषज्ञ (प्रसूति एवं स्त्री रोग) एवं राजकीय जयपुरिया अस्पताल एवं पूर्व प्रिंसिपल है। अभी ये भण्डारी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, जयपुर में परामर्शदाता के रूप में सेवाएं दे रही हैं।

डॉ. निमिता भारती ने वर्ष 1979 में MBBS किया तथा राजकीय सेवा में वर्ष 1982 में ज्वाइन किया। वर्ष 1991 में MS(Obst. & Gynae.) किया। ये राजकीय सेवा से वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त हुई। इन्हें 3 बार परिवार कल्याण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। एक अनुभवी एवं वरिष्ठ डॉ. के रूप में आपकी पहचान है।

डॉ.श्यामा कुमावत, M.B.B.S., M.S.(Gynaecology & Obst.)

पत्नी डॉ.बी.एल.कुमावत (बातरा, शादी पूर्व लारना) निवासी 130 हिरन मगरी, सेक्टर 11, उदयपुर।

जिस समय अपने समाज में महिला शिक्षा का बहुत कम चलन था (विशेष कर मेवाड़ में), उस समय डॉ.श्यामा कुमावत ने M.B.B.S, M.S.(स्त्री रोग) में किया। राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर राजकीय सेवा करके लगभग 35 साल की सेवा के बाद वरिष्ठ विशेषज्ञ के गरिमामय पद से सेवानिवृत्त हुई। सेवाकाल के दौरान अनेक महिलाओं को प्रसूति सलाह दी व सफलतापूर्वक उपचार किया।

इन्होने अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाई। इनका पुत्र MBBS, MD, DM (Cardiology), Electrophysiologist, बहू Ph.D (Psychology), बेटी MDS तथा दामाद IPS है। वर्षों से हमारे समाज की युवतियां इनसे प्रेरणा लेकर डॉ. बनी हैं।

डॉ. सुनिता कुमावत, MBBS, M.S. (Ophthalmology) (ग्लूकोमा एण्ड फेको सर्जन)

डॉ सुनिता कुमावत का जन्म रामपुरा डाबड़ी, जयपुर में श्री हरिनारायण कुमावत के परिवार में हुआ। वर्ष 2013 से 2016 तक एम.एस.(नेत्र रोग) की पढ़ाई की तत्पश्चात् फेको एवं ग्लूकोमा सर्जरी की देश के प्रतिष्ठित रेणु आई इंस्टीट्यूट दिल्ली से ट्रेनिंग ली। इन्होंने राजकीय सेवा में विशेष प्रशिक्षित (फेको एवं ग्लूकोमा सर्जन) सेवाएं देना शुरू की। इनका सपना था कि कस्बों के लोगों को भी प्रदेश स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिले।

डॉ. सुनिता कुमावत ने एच.आई.वी./एड्स मरीजों में ऑक्यूलर मेनिफेस्टेशन एवं न्यूरो फथेल्मोलोजिकल बीमारी पर अनेक रिसर्च पेपर लिखे जो कि विभिन्न नेशनल एवं इंटरनेशनल मेडिकल जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। डॉ. कुमावत को 2015 में राजस्थान ऑफथेलमोजी सोसाईटी द्वारा बेस्ट रिसर्च पेपर के लिए गोल्ड मेडल से नवाजा गया।

डॉ. सुनिता कुमावत ग्लुकोमा एवं फेको सर्जन ने अपने पति विमल कुमावत के साथ मिलकर देवीलाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल किशनगढ़-रेनवाल तथा चौमूं में संपूर्ण चिकित्सा सुविधायुक्त हॉस्पिटल शुरू किये हैं, यहां सभी तरह के जांच व ऑपरेशन की सुविधा है। इन्होंने एक लाख से अधिक मरीजों का आंखों का सफल इलाज किया। ये हॉस्पिटल नेत्र रोगियों लिए तरह वरदान साबित हो रहे है।

इनके उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. सुनिता कुमावत को महिला दिवस पर ''वुमेन ऑफ दी ईयर 2022'' अवार्ड से पूर्व मुख्यमंत्री वंसुधरा राजे द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

डा. रूचि कुमावत MBBS, Pathologist

पत्नी डॉ. पीयूष उदयवाल निवासी शालीमार बाग, अजमेर रोड, जयपुर।

डा.रूचि कुमावत ने MBBS झालावाड से किया है इसके बाद Pathology में पी जी किया। ये अभी सी के बिरला हॉस्पिटल, जयपुर में अपनी सेवाएं दे रही है।

डॉ. पल कुमावत, BDS

पुत्री श्री ओम प्रकाश एवं कौशल्या कुमावत (मानणिया), निवासी नवरत्न, उदयपुर

मेडिकल क्षेत्र में दंत चिकित्सा का महत्व बढ़ता जा रहा है। इन्होंने पेसिफिक डेंटल कॉलेज, देबारी, उदयपुर से डेंटल सर्जरी में स्नातक Bachelor of Dental Surgery सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। ये वर्तमान में पोस्ट ग्रेजुएशन एंडोडोंटिक्स (MDS in Endodontics) में कर रही हैं।

डॉ. नेहा कुमावत, MBBS, MD (Pathology)

पत्नी डॉ. सुरेश कुमावत DNB Gastroenterologist

डॉ. नेहा कुमावत ने जे.एल. एन मेडिकल कॉलेज, अजमेर से MBBS किया तथा MD (Pathology) बी.जे. मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद से किया। वर्तमान में ये गेटवेल पोलीक्लीनिक एण्ड लेब में कन्सलटेन्ट पेथोलोजिस्ट हैं। इसके अलावा डॉ. नेहा ने मेडिकल कोर्स लेबोरेटरीज का इन्टरनल ऑडिट किया है। इनके 2 रिसर्च पेप सम्मानित मेडिकल जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं।

डॉ सुरभि कुमावत MBBS, DNB

पुत्री श्री शंकर लाल कुमावत (मेरावंडिया)

निवासी 7, शिव पैलेस, माली कॉलोनी, उदयपुर

10th व 12th में राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उदयपुर जिला मेरिट में प्रथम स्थान पर रही।

ये लेप्रोस्कोपी सर्जन हैं तथा प्रसुति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं दे रही हैं।

डॉ. सौम्या बालोदिया, एमबीबीएस

पुत्री डॉ.ओम बालोदिया,(चाइल्ड स्पेशलिस्ट)

निवासी वेद वाटिका, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर।

वर्तमान में ये फर्स्ट ईयर रेजिडेंट स्पेशलिटी पोस्ट ग्रेजुएशन (कान-नाक-गला विभाग) आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुड़गांव, दिल्ली एनसीआर. में अध्ययनरत है।

डॉ. ओशीन राज कुमावत, MBBS, MD (Running)

पुत्री डॉ. राजेश कुमार वर्मा (खोवाल)

निवासी बी-18, नेताजी सुभाष नगर-द्वितीय, हरि मार्ग, टोंक रोड, जयपुर

डॉ. ओशीन राज कुमावत ने झालावाड़ मेडिकल कॉलेज से MBBS किया है तथा वर्तमान में ये RNT Medical Collage, उदयपुर से जनरल मेडीसिन में MD कर रही हैं।

डॉ. मिताली कुमावत, MBBS

इन्होंने MBBS एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर से तथा DNB, बाल रोग संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल अस्पताल, जयपुर से किया है।

ये CA श्री टी.सी. कुमावत (सिरोहिया) निवासी- 41, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर की पुत्री हैं।

डॉ.चेष्टा कुमावत

पत्नी श्री भगवती लाल कुमावत (मनणिया)

निवासी 15/882, कालका माता रोड, माधव कॉलोनी, उदयपुर।

शैक्षिक योग्यता - होम्योपैथिक मेडिसिन और सर्जरी में स्नातक।

डॉ.चेष्टा कुमावत ने मेडिकल करियर 2021 में शुरू किया। जयपुर में प्रसिद्ध होम्योपैथिक प्रोफेसर डॉ. एल.सी.शर्मा के साथ 2 साल तक प्रैक्टिस करते हुए उनके क्लिनिक पर सेवाएं दी। पिछले 2 साल से ये उदयपुर में डॉ. अभय जैन (सामान्य चिकित्सक) के साथ एलोपैथी क्षेत्र में सहायक के रूप में काम कर रही है तथा लोगों को ऑनलाइन होम्योपैथिक परामर्श दे रही है।

डॉक्टर देवांशी कुमावत, BDS

पत्नी श्री पवन कुमावत तथा पुत्री श्री रूप सिंह कुमावत

डॉ.देवांशी ने निम्स डेंटल और मेडिकल कॉलेज, अचरोल, जयपुर से बीडीएस किया। इनका विवाह वर्ष 2022 में कानपुर से आईआईटी श्री पवन कुमावत से विवाह हुआ जो किशनगढ़-रेनवाल के निवासी हैं तथा सीकर में मैट्रिक्स जेईई एकेडमी में फिजिक्स की सीनियर फैकल्टी है।

डा. देवांशी सीकर के पिपराली ग्राम में डेंटिस्ट के रूप मे प्रैक्टिस करती है तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का नि:शुल्क उपचार करती है।

डा. पूजा कुमावत, MBBS

पत्नी श्री गौरव कुमावत

डा. पूजा कुमावत ने विवाह उपरांत अपने दोनों परिवारों के आशीर्वाद से गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, उदयपुर से MBBS किया। अभी ये आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर के फिजियोलॉजी विभाग से एमडी कर रही है।

डॉ. तनीषा कुमावत, MBBS

पुत्री श्री नरेंद्र कुमावत (बातरा)
निवासी 511, लायंस क्लब के पीछे, देवाली, उदयपुर

तनीषा ने वर्ष 2025 में अनंता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर, राजसमंद से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है, जो राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज, जयपुर से संबद्ध है। सीबीएसई बोर्ड की 10वीं में 9.2 सीजीपीए और आरबीएसई बोर्ड की 12वीं में 78% अंक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा, ड्राइंग और क्रिएटिव प्रतियोगिता में पुरस्कार भी जीते हैं। आशा है एक डॉक्टर के रूप में आप कुमावत समाज का नाम गौरवान्वित करेंगी।

डॉ. साक्षी कुमावत, BAMS

पुत्री श्री विनोद कुमावत (बातरा)
निवासी बड़गांव, उदयपुर

इन्होंने डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय (Dr. SRRAU) से बीएएमएस की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल, उदयपुर में अपनी ऐवाएं दे रही हैं।

डॉ. काजल कुमावत BHMS

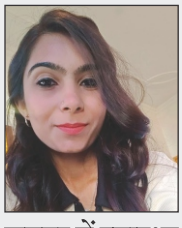

पुत्री श्री सुनील कुमार कुमावत (बेरा)
निवासी प्रेम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर।

मेडिकल ऑफिसर Vidal Health TPA Pvt. Ltd. एवं होम्योपैथिक चिकित्सक Satvik Homeopathic Clinic, सोडाला, जयपुर में स्वास्थ्य सेवाए दे रही है।

डॉ. वंशिका कुमावत, बीएएमएस (आयुर्वेदाचार्य)

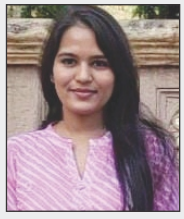

पुत्री श्री अम्बोज कुमावत (झुनझुनोदिया), ज्योति कुमावत।
निवासी C–54, A/2, लाल कोठी मार्ग, सिवाड एरिया, बापू नगर, जयपुर

डॉ. वंशिका कुमावत भारतीय चिकित्सा पद्दति आयुर्वेद को बढावा दे रही है तथा अंग्रेजी दवाइयों से होने वाले साइड इफेक्ट से रोगियों को बचाने में अपनी भूमिका आयुर्वेद जंक्शन क्लीनिक का सोडाला, जयपुर में संचालन करके कर रही है।

डॉ. ऋत्वी कुमावत, BAMS

श्री मनोज कुमावत (वनावडिया)
निवास : चंदनवाड़ी उद्यान के पास, उदयपुर

वर्तमान में ये डॉ. अभय जैन क्लिनिक में डॉ. अभय जैन (आंतरिक चिकित्सा) और सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल (सिंधी बाजार) में डॉ. शोभा लाल जी औदिच्य (एमडी, पीएचडी) के साथ काम कर रही हैं।

डॉ. हिमांशी कुमावत BDS

पुत्री श्रीमती आशा-श्री रोशन वर्मा
निवासी 651 एबी, सूर्य नगर, रिद्धि सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

आप वर्तमान में रुंगटा हॉस्पिटल, जयपुर में डेंटल विभाग में कार्यरत हैं। इनके भाई डॉ. कौशल कुमावत भी हाल ही में MBBS करके डॉक्टर बने हैं।

डॉ. मिताली कुमावत, फिजियोथेरेपिस्ट BPT, CDCT and CKTT

पुत्री श्री रतनलाल अजमेरा, निवासी चांदपोल बाहर, उदयपुर।

मिताली एक डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट है। एमबीबीएस डॉक्टर केवल मरीजों की देखभाल करते हैं, लेकिन एक फिजियोथेरेपिस्ट मरीज को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करता है और पुन: साधारण जीवन जीने की उम्मीद देता है। इन्होने 6 से ज़्यादा लकवाग्रस्त मरीजों को 15 दिनों से कम समय में ठीक करके चलने लायक बनाया है। इनकी प्रतिभा एवं योग्यता पर समाज को गर्व है।

डॉ. मिताली ने इन कार्यशालाओं में भाग लिया: 1. काइनेसियो टेपिंग 2. मैनुअल थेरेपी 3. प्रोप्रियोसेप्टिव न्यूरोमस्कुलर फैसिलिटेशन 4. थेराबैंड व्यायाम पर व्यावहारिक कार्यशाला एवं 5. पिलेट्स। इसके अतिरिक्त ये अंतर्राष्ट्रीय फिजियोथेरेपी सम्मेलन 2022, 2023 व 2024 में भी भाग लिया, जो इस प्रोफेशन के प्रति उनकी लगन को दर्शाता है।

दिव्यांशी कुमावत एम.बी.बी.एस., एम.डी. (माइक्रोबायोलॉजी) - अध्ययनरत

पुत्री लीला शंकर कुमावत (खण्डारिया)
निवासी 83, आचार्य मार्ग, चांदपोल के बाहर, उदयपुर (राजस्थान)

मेडिकल इंटर्नशिप के दौरान ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। कोविड-19 महामारी के समय में सक्रिय रूप से मरीजों की जांच और संक्रमण नियंत्रण में सहयोग दिया।

डॉ. हेमलता कुमावत M.A., Ph.D.

पत्नी श्री मोहनलाल घोड़ेला निवासी खिरनी फाटक, जयपुर

इन्होंने चित्रकला विषय में वर्ष 1979 में राज. विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर किया व गोल्ड मैडल लिया। आपका व्याख्याता पद पर RPSC से वर्ष 1968 में चयन हुआ तथा अब आप बूंदी से सेवानिवृत्त हैं। आपने **''बूंदी के भित्ति चित्र-विषय वस्तु का चित्राधीन मूल्यांकन''** विषय पर बरेली से डॉक्टर ऑफ फिलोसफी की डिग्री ली है। इनके मूर्त एवं अमूर्त चित्र गांवों का यथार्थ चित्रण करते हैं। **इनके चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन 1984 में राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा ने किया था।**

इन्होंने अनेक प्रदर्शनियों, कार्यशालाएं, संगोष्ठियों में भाग लिया है। उनकी एक पुस्तक **''बूंदी स्थापत्यकला या चित्रकला''** का लेखन किया।

इन्होंने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बूंदी में चित्रकला एवं चित्रकला विभागाध्यक्ष में कार्य किया। इन्हें 30 वर्षों का शिक्षण अनुभव है। इन्हें अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं ने सम्मानित किया है। जिनमें जिला कलेक्टर बूंदी (1996), सूर साहित्य कला मण्डल (2000) राष्ट्रीय चित्रकला मंडल महोत्सव में राजरत्न सम्मान, 2011 में मुख्यमंत्री, राजस्थान इत्यादि सम्मिलित है।

डॉ. गरिमा कुमावत Ph.D.

वनस्थली मार्ग, जयपुर निवासी भारतीय शास्त्रीय संगीत की लोकप्रिय युवा मृदुभाषी व आत्म विश्वासी गायिका हैं, इनके गायन में जयपुर घराने की स्पष्ट झलक मिलती है। राजस्थान विश्वविद्यालय से प्रदर्शन कला में MMUS (स्नातकोत्तर) की उपाधि के बाद मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से हिन्दुस्तानी गायन में Ph.D. की। वर्ष 2011 में चीन के बीजिंग व शंघाई में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति देने हेतु इन्हें आमंत्रित किया गया। अपने दादागुरु पं. चिरंजीलाल तंवर पर **''स्वर रा मोती''** पुस्तक लिखी। इन्हें वर्ष 2024 में **'ललित स्मृति अवार्ड'** दिया गया। ये आकाशवाणी जयपुर की बी श्रेणी की अनुमोदित कलाकार हैं, जयपुर चेप्टर से स्पिक मैके की सदस्या और सूर साहित्य कला संस्थान, जयपुर की सचिव हैं। इन्होंने विभिन्न संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुति दे कर लोगों का दिल जीता है।

डॉ. प्रिया मारवाल : साहित्य, समाज और संस्कार की समर्पित साधिका, Ph.D, B.Ed, MSW

असिस्टेंट प्रोफेसर, स्टेनी मेमोरियल पी.जी. कॉलेज, जयपुर

पिता-माता : श्री पदम सरन कुमावत- श्रीमती उमा कुमावत,

पति : श्री मिथिलेश वर्मा पुत्र स्व. श्री चंद्र प्रकाश वर्मा

डॉ. प्रिया मारवाल एक ऐसी ऊर्जावान महिला व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने अपने बहुआयामी कार्यों से न केवल शिक्षा जगत में पहचान बनाई, बल्कि समाजसेवा, साहित्य और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में भी एक गहरी छाप छोड़ी। ये मुंबई और अहमदाबाद की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं में भी अध्यापन कार्य कर चुकी हैं, जिससे उनकी विद्वता और समर्पण का विस्तार स्पष्ट होता है।

सिर्फ शिक्षा ही नहीं, डॉ. प्रिया ने मास्टर इन सोशल वर्क (MSW) की डिग्री प्राप्त कर समाजसेवा को भी अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया। विशेष रूप से नेत्रहीन छात्रों को तीन वर्षों तक नि:स्वार्थ पढ़ाना और आज भी उनके करियर में मार्गदर्शन करना, उनके संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है।

साथ ही ये जय जवान कॉलोनी की कार्यकारी समिति की सदस्य और मालवीय नगर विकास समिति में उपमंत्री (महिला) के पद पर आसीन है।

लेखन के क्षेत्र में भी वे समान रूप से सक्रिय हैं। उनके आलेख, कविताएँ और कहानियाँ देशभर की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। ये ''कुमावत इंडिया'' पत्रिका की सह-संपादक हैं और अपनी सशक्त लेखनी के माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों पर प्रभावशाली विचार रखती हैं।

इन्होंने अनेक साहित्यिक और सामाजिक कार्यक्रमों का संचालन किया है। ऑल इंडिया रेडियो पर उनके द्वारा की गई परिचर्चा का प्रसारण उनके संवाद कौशल और ज्ञान की पुष्टि करता है।

प्रोफेसर डॉ. अपर्णा कुमावत, एमएससी

प्राणि विज्ञान में पीएचडी

पत्नी प्रोफेसर डॉ. श्याम कुमावत (घोडेला)

निवासी 1-2 गणपति नगर, बोहरा गणेश जी, उदयपुर।

ये प्राणी विज्ञान में प्रोफेसर है व राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर में पदस्थापित है। इनके कई शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुए है तथा इन्होने एक पुस्तक भी लिखी है।

डॉ. हेमलता कुमावत, NET, Ph.D.

पत्नी श्री पवन सिरोहिया

निवासी 31,गोविंद नगर खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर

अभी आप असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर श्री भवानी निकेतन टी. टी. कॉलेज, जयपुर में अध्यापन जैसा नोबल कार्य कर रही है।

डॉ. मोनिका कुमावत

पत्नी श्री मनीष सिंघनवाल

निवासी आचार्य मार्ग, चांदपोल बाहर, उदयपुर

डॉ. मोनिका कुमावत ने पीएच.डी. होम साइंस विषय में की है तथा एम.एस.सी. वस्त्र एवं परिधान विभाग में की है। इन्होंने नेट, सेट, बी.एड. तथा योगा में डिप्लोमा भी करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। वर्तमान में ये राजकीय महाविद्यालय खमनौर, राजसमन्द में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर अध्यापन कार्य कर रहीं हैं।

डॉ. सरिता कुमावत, Ph.D.(गृह विज्ञान)

पत्नी श्री हरीश कुमावत (अजमेरा), पुत्री श्रीमती ललिता-स्व. श्री ताराचंद खोराणिया, जयपुर, निवासी उदयपुर

डॉ. सरिता वर्तमान में प्रोफेसर (गृह विज्ञान, विभागाध्यक्ष) राजस्थान सरकार मीरा गर्ल्स कॉलेज उदयपुर हैं। इनके द्वारा लिखित गृह विज्ञान की 9 पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

डॉ.सरिता कुमावत (पर्यवेक्षक) की देखरेख में 3 शोधार्थियों द्वारा पीएच.डी. की गयी एवं अभी 3 शोद्यार्थी पीएच.डी. कर रहे हैं। इनकी योग्यता एवं मृदु स्वभाव तथा हंसमुख व्यक्तित्व पर सभी को गर्व है।

डॉ मधु कुमावत Ph. D

पत्नी श्री महेश कुमार कुमावत (मारवाल) निवासी किशनगढ़।

डॉ. मधु कुमावत सहायक आचार्य इतिहास के पद पर श्री रतनलाल कँवरलाल पाटनी राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय, किशनगढ़ जिला अजमेर में अध्यापन कार्य कर रही हैं।

डॉ प्रियंका कुमावत, M.Tech, Ph.D (ECE)

(सॉफ्टवेयर इंजीनियर)

पुत्री श्री शंकर लाल कुमावत (मेरावंडिया)

निवासी 7, शिव पैलेस माली कॉलोनी, उदयपुर

पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद प्रतियोगिता दौड़ में जिला लेवल पर हमेशा प्रथम स्थान प्राप्त किया। आज उच्च शिक्षित होकर सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही हैं।

डॉ अनिता राठी (खरगटा- कुमावत) MA, Ph.D.

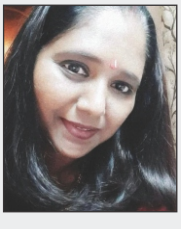

कुमावत समाज की एक प्रतिभावान योद्धा, समाजशास्त्री, लेखिका, व्याख्याता है जो Asst. Professor के रूप में विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में 25 साल तक अपनी सेवा दे चुकी हैं।

वर्तमान में डॉ. अनिता को 2023 से 2025 का बतौर Sociologist भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन ICSSR, नई दिल्ली के साथ Senior Fellowship पर एक Research project पर काम कर रही है। डॉ अनिता ने समाजशास्त्र में PHD मानवशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य व समाजशास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएशन की है। ये सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान लेखन व विकास में उनकी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित हो चुकी है।

डॉ अनिता की हिंदी व अंग्रेजी में दो पुस्तके भी प्रकाशित हो चुकी है। साथ ही देशभर के विभिन्न पत्रिकाओं, पुस्तकों व समाचार पत्रों में 100 से अधिक शोध लेख भी प्रकाशित हो चुके है। लैंगिक मुद्दों व नारीवाद पर एक पुस्तक भी प्रकाशित हुई है। इनकी उपलब्धियों से समाज के युवाओं ओर युवतियों को अवश्य प्रेरणा मिलती है।

डॉ. सुनिता कुमावत, M.A., NET, SET, Ph.D.

पत्नी श्री राम प्रकाश मारोठिया
निवासी रामपुरा, आकेड़ा चौड़, जयपुर

चित्रकला विषय की राजकीय स्कूल में व्याख्याता हैं। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से Ph.D. की है। किसी भी व्यक्ति का हूबहू चित्र बनाने के साथ यर्थातवादी वस्तु चित्रण की दक्ष कलाकार हैं। कलेक्टर दौसा ने वर्ष 2019, 2020 व 2021 में मतदान दिवस पर कार्टून चित्रों के लिए सम्मानित किया गया।

राजस्थान ललितकला अकादमी द्वारा 2018 में पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने का प्रशस्ति पत्र दिया गया, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत जिला परिषद दौसा में वर्ष 2019 में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

डॉ. पार्वती कुमावत

पत्नी डॉ. भावेश कुमावत (बातरा)

डॉ. पार्वती कुमावत M.Com., MBA, B.Ed. तथा Ph.D हैं। ये असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। ये चांदपोल बाहर, उदयपुर के निवासी हैं। इनके पति भावेश कुमावत माधव विश्वविद्यालय, आबू रोड में रजिस्ट्रार के पद पर पदस्थापित हैं।

डा. अभिलाषा कुमावत B.Ed, M.Ed, Ph.D.

निवासी 51बी, नीमच माता स्कीम, दिवाली उदयपुर।

वर्तमान में चाणक्य शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में वरिष्ठ व्याख्याता के पद पर कार्यरत है।

इन्होंने अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्तर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन-2023 कराया। उन्हें कॉलेज व्याख्याता के रूप में 10 वर्ष का अनुभव है।

महाराणा प्रताप गौरव केन्द्र पर राष्ट्रीय स्तर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कराया। MLSU द्वारा खेल-प्रतियोगिता (टेबल-टेनिस) में प्रबंधक के रूप में पश्चिमी क्षेत्र में होने वाले Girls-Boys Team का आयोजन, नान्देड़ (महाराष्ट्र)-2018, मुम्बई (महाराष्ट्र)-2019, भोपाल (म.प्र.)-2022, जयपुर (राज.)-2023, सतना (म.प्र.)-2024 में कराया।

डॉ. शिल्पी कुमावत, पीएच.डी.

डॉ. शिल्पी कुमावत पत्नी श्री मनीष कुमावत ज्योति सीनियर सैकण्डरी स्कूल, उदयपुर में प्राचार्या हैं। ये अपने विद्यालय को अच्छे से सम्भाल रही हैं और इने प्रयासों से स्कूल का परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। इन्होंने **''स्मार्ट कक्षा-कक्ष अध्ययनः- वस्तु स्थिति, उपयोगिता और चुनौतियाँ''** विषय में पीएच.डी. की है।

डॉ. सन्नू कुमावत

सन्नू कुमावत को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्हें ये उपाधि ''माइक्रो फाइनेंस एंड इट्स रोल इन अपलिफ्टिंग स्टेटस वीमेन एंटरप्रेन्योरशिप इन राजस्थान विद् द स्पेशल रेफरेंस टू जयपुर'' विषय पर शोध के लिए दी गई है। इनके शोध का विषय बड़ा ही जटिल था और महिला हित में था।

नेहा कुमावत, M.A, B. Ed , Ph.D. Running

पिता/पति का नाम: तेजशंकर (रवि)कुमावत (टांक)

निवासी: 24, गौत्तम गली, धोलीबावडी , दिल्लीगेट, उदयपुर

नेहा कुमावत वार्ड 60, नगर निगम उदयपुर की पार्षद, वार्ड में महिलाओं की आर्थिक सहायता समिति अध्यक्ष, प्रचार प्रसार समिति सदस्य, नगर निगम में निर्माण समिति सदस्य, कांग्रेस महिला A ब्लॉक अध्यक्ष, ओबीसी विभाग प्रदेश सचिव तथा कुमावत महापंचायत, उदयपुर जिलाप्रभारी है।

इनसे प्रेरित होकर हमारे समाज की महिलाएं राजनीति में जाने को प्रेरित होगी।

डॉ आशा कुमावत, बीए, एमए, बी.एड

पत्नी श्री नरेंद्र कुमावत (टोंडवाल)
निवासी 17 महावीर कॉलोनी विस्तार, सीता महल वाली गली, करतारपुरा, जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय से नेट (जेआरएफ), सेट, पीएचडी करने के बाद ये शिक्षा विभाग में व्याख्याता के पद पर अपनी सेवाएं दे रही हैं।

CA डॉ. शशि कुमावत पत्नी श्री मनीष घोड़ीवाल

डॉ. शशि कुमावत ने CA करके अध्यापन व्यवसाय को अपना लक्ष्य बनाया। प्रथम प्रयास में ही CA इन्टर में सफल रही। इन्होंने "An analytical study of Financial Performance of selected public Sector Banks During Pre and Post merger period" विषय में पीएचडी की है। वर्तमान में ये राजकीय शाकम्बरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सांभर लेक, जयपुर में सहायक आचार्य (ABST) के पद पर पदस्थापित हैं। ये श्री ताराचंद मारवाल की पुत्री तथा मालवीय नगर निवासी श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल की पुत्रवधू हैं। डॉ. शशि सामाजिक कार्यों में भी अग्रणीय रहती हैं। इनके सास-श्वसुर एवं पति के प्रोत्साहन एवं सहयोग से इन्होंने सीए फाईनल 2014 के दोनों ग्रुप प्रथम प्रयास में ही पास कर लिए।

पढ़ाना नोबल प्रोफेशन होने से पहले CA व CS के स्टूडेन्ट्स को कॉलेज में पढ़ाया तथा फिर RPSC के माध्यम से एसिस्टेन्ट प्रोफेसर के पद पर चयनित हुई। ये समाज की युवतियों के लिए प्रेरणा स्रोत है।

रितिका मारोठिया, B. Com., C. A.

पत्नी श्री शैलेश सिरोहिया

निवासी 41, शिल्प कालोनी, झोटवाडा, जयपुर।

ये अभी चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रोफेशन में है एवं फर्म मै.पुलकित खण्डेलवाल एण्ड एसोसिएट्स में भागीदार है तथा वित्तीय प्रबंधन, लेखांकन, कॉर्पोरेट कानून, लेखा परीक्षा, कराधान में सलाहकार सेवाए प्रदान करती है। इनकी उपलब्धि समाज की बेटियों को प्रेरणा देगी कि वे भी इस क्षेत्र में सफल हो सकती है।

किरण वर्मा (राजोरा), CA

पुत्री स्व. श्री कुलदीप सिंह

निवासी हिसार, हरियाणा

राज्य स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता रही किरण वर्मा ने अपनी प्रतिभा को चार्टेड एकाउन्टेंट (CA) बन कर सिद्ध कर दिया है। इनसे प्रेरित होकर समाज की युवतियां इस क्षेत्र में भी कदम रखेगी। ये भारतीय एयरटेल में मैनेजर हैं।

भूमिका कुमावत B.Com., C.A.

पिता का नाम: श्री मोहनलाल कुमावत (नेमीवाल)

निवासी अजमेर, राजस्थान

इन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसी चुनौतीपूर्ण परीक्षा को पास कर एक मजबूत और सम्मानजनक प्रोफेशनल पहचान बनाई है।

ये वर्तमान में एक सरकारी संस्थान(PSU)में कार्यरत हैं और वित्तीय क्षेत्र में अहम जिम्मेदारियाँ निभा रही हैं।

अनिता कुमावत, M.Com & CA (inter)

पुत्री अर्जुनलाल घोड़ेला

पत्नी श्री ताराचंद धमुनिया

निवासी - आनंद नगर, चौमू, जयपुर।

वर्तमान में चौमू नगर परिषद् में पार्षद (स्वतंत्र) हैं। ग्रेट फाउंडेशन के तत्वाधान में ये भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही है। जो राजस्थान जैसे राज्य के लिए अहम है।

श्रीमती आकांक्षा गढ़वाल

B.Com., M.Com. (ABST), MBA, MCA, CA (Inter), NET (Commerce), NET (Management)

पत्नी डॉ. (सी.ए.) अनूप कुमावत (विभागाध्यक्ष, लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर)

ये वर्तमान में सहायक लेखाधिकारी-II, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर के पद पर हैं। श्रीमती आकांक्षा गढ़वाल एक प्रतिभाशाली, बहुआयामी और प्रेरणास्पद व्यक्तित्व की धनी हैं। इन्होंने बचपन से ही शिक्षा को अपना सर्वोच्च लक्ष्य माना और कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं लगन के बल पर अकादमिक और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त की। उनकी उपलब्धियाँ केवल उनके व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज में विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा और स्वावलंबन को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर सक्रिय हैं। वे अनेक युवतियों के लिए एक आदर्श और मार्गदर्शक हैं। उनका उद्देश्य है कि हर बालिका आत्मनिर्भर बने और समाज में अपना विशिष्ट स्थान बनाए।

शेष पृष्ठ 21 पर...

संगीत संध्या 'तुझको पुकारे मेरा प्यार' में गूंजे सुनहरे दौर के नग़मे''

अंगदान व नेत्रदान का भावभीना आह्वान भी हुआ।

जयपुर। रविवार को बीएम बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित हुई ''**तुझको पुकारे मेरा प्यार**'' संगीतमय संध्या संगीत प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई। बालोदिया इवेंट्स एंड लाइव बैंड के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम का निर्देशन सुप्रसिद्ध गायक और टी-सीरीज़ कलाकार मोहन कुमार बालोदिया ने किया। यह उनका 117वां बॉलीवुड गोल्डन ऐरा शो था, जिसमें उन्होंने हिंदी फिल्म संगीत के स्वर्ण युग की मधुर धुनों को मंच पर जीवंत कर दिया।

मोहन कुमार बालोदिया जब ''**नफरत की दुनिया को छोड़कर प्यार की दुनिया में**'' गीत लेकर आए, तो पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उनकी आवाज़ में गहराई, भाव और ऊर्जा का ऐसा संगम था कि श्रोताओं की आंखें भी नम हो गईं। वहीं सुप्रसिद्ध गायिका रश्मि बालोदिया ने जब भी मंच पर कदम रखा, ''**जब भी जी चाहे**'' गीत गाकर पूरे माहौल को अपनी मधुर और सुरीली आवाज़ से मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी गायकी में वो संजीदगी और मिठास है जो सुनने वालों को सीधे दिल तक पहुंचती है। हर गीत में उन्होंने भावों की एक नई परत खोल दी।

कार्यक्रम में जयपुर के प्रसिद्ध और उभरते कलाकारों विशाल शर्मा, नागेश भटनागर, राजीव सक्सेना, संजय भटनागर, देवेन सिन्हा, सुधीर शर्मा, निकिता कोका लालवानी, नीना सक्सेना, मनीषा जैन, रूचिका माथुर, नवनीत पंजाबी, विपिन जैन, संजय खूंटेटा, भागचंद वर्मा और विनेहा ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। इन कलाकारों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और भी जीवंत, भावनात्मक और संगीतमय बना दिया। हर सुर और ताल में इनकी साधना और समर्पण की झलक दिखाई दी, जिसने कार्यक्रम को नई ऊंचाइयां दीं।

सतीश राठौड़ ने अपनी शानदार मिमिक्री से उपस्थित दर्शकों को खूब गुदगुदाया। उनकी मजाकिया शैली और सटीक अभिनय ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। मंच संचालन अरुण किमतकर और विनेहा ने किया। दोनों ने मंच को न सिर्फ जोड़े रखा, बल्कि हर प्रस्तुति को सुंदर शब्दों और भावों से सजाया। सोशल मीडिया संयोजक जयसिंह गुडीवाल ने आयोजन को डिजिटल रूप देने में योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में मोहन कुमार बालोदिया ने सभी श्रोताओं से अंगदान और नेत्रदान का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा, ''**आपकी एक पहल किसी के जीवन को रोशनी और उम्मीद दे सकती है।**'' उनकी यह भावनात्मक अपील दर्शकों को अंदर तक छू गई और कई लोगों ने संकल्प लिया कि वे जीवन की इस अनमोल देन में सहभागी बनेंगे।

कार्यक्रम में श्री गोपाल शर्मा विधायक व श्री समित शर्मा IAS भी पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढाई।

मिशन इसानियत से गोपाल को प्रवासी समाज बंधुओं का मिला भरपूर सहयोग

एक हादसे में गोपाल को रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर से आर्थिक स्थिति हुई खराब

कुचामनसिटी। एक समय था जब गोपाल समाज सेवा करने में पीछे नहीं रहते थे चाहे हो पशु-पक्षियों के लिए सेवा हो या फिर समाज बंधुओ के लिए या सामूहिक विवाह। लेकिन एक हादसे ने गोपाल की जिंदगी को दाने-दाने के लिए मोहताज कर दिया। लेकिन समाज में कई लोगों की जागरूकता से हर संभव मदद की और गोपाल को इलाज सहयोग मिला। समाज सेवी गोपाल राहोरिया के लिए चलायें गए '**मिशन इन्सानियत**' में क्षेत्र एव प्रवासी जागरूक नागरिकों का 5,22,221 रुपये का सहयोग मिला। अभी भी सहयोग जारी है। और अपने तो अपने ही होते हैं मिशन इन्सानियत में सहयोग करने वालों ने जता दिया। **मिशन इन्सानियत** पुरे जागरूक नागरिकों का जिन्होंने दीन दु:खियों एवं पीड़ित परिवारों के लिए चली ''**अपना समाज 2018 कुचामन नावां मिशन**'' मानवता की हर मुहिम में अग्रणी पंक्ति में सहयोग करने वाला गोपाल कुमावत जो आर सी सी ठेकेदार पलाडा का एक्सीडेंट में रीढ़ की हड्डी का फेक्चर के बाद लम्बे समय से बेड पर है। हर मुहिम हर सामाजिक कार्यक्रमों में विवाह सम्मेलन में मदद करने वाला मदद के लिए मोहताज था। वास्तव में

ही कोई टाइम था श्री गोपाल राहोरिया हर काम में अग्रणी रहता था और तन मन धन से साथ रहते थे पर आज स्थितियां कुछ अलग है पिछले 2 साल से किसी की भलाई करते हुए एक्सीडेंट होने के कारण शरीर के पैरालिसिस होने से गोपाल बिस्तर पर पड़े थे स्वयं के सारे रुपये बीमारी में लगा चुके थे। वास्तव में ही इनको जागरूक नागरिकों से आर्थिक सहायता की जरूरत थी सभी जागरूक नागरिकों से जनसेवक राजकुमार फोजी अध्यक्ष शिव मंदिर समस्त कुम्हारान पंचायत ट्रस्ट कुमावत विकास समिति कुचामन सिटी ने निवेदन किया। गोपाल राहोरिया उनकी धर्मपत्नी पुष्पा देवी उनके पुत्र महेश के खाते में जागरूक नागरिकों ओर प्रवासी समाज बन्धुओं ने 5,22,221 का सहयोग कर जता दिया कि अभी इन्सानियत जिन्दा है कई जागरूक नागरिकों ने घर जाकर सहयोग किया।

रंगीलो सावन में लहरियों की रंगत और सावन की फुहारों संग झूमा कुमावत महिला मंडल

कुचामनसिटी। कुमावत महिला मंडल द्वारा सावन के पावन अवसर पर खारिया रोड पर स्थित शिव मंदिर में रंगीलो सावन कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस आयोजन में कुमावत समाज की सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया परिधानों में सजधज कर भाग लिया और सावन की फुहारों के बीच झूलों, गीत-संगीत और नृत्य का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में कहीं राजस्थानी गीतों पर नृत्य हो रहा था तो कहीं महिलाएं वीडियो रील बनाकर इस रंगीन पल को कैद कर रही थीं। बारिश के बावजूद सभी महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे कार्यक्रम की रौनक कई गुना बढ़ गई। महिला मंडल अध्यक्ष अन्नपूर्णा कुमावत ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम हैं। यह हमारी अगली पीढ़ी को भी धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के आयोजन व संचालन में महिला मंडल की संपूर्ण कार्यकारिणी का सराहनीय सहयोग कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें बुजुर्ग महिलाओं के लिए विशेष प्रतियोगिता भी रखी गई। इस प्रतियोगिता में 65 वर्षीय मुन्नी देवी ने पुरस्कार जीतकर सभी को प्रेरित किया। साथ ही अन्य विजेता महिलाओं में अंजू, प्रिया और रीना प्रमुख रही, जिन्होंने अपनी कला और प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम में महिला मंडल की सचिव संजू जेठीवाल, उपाध्यक्ष मौरा बारवाल, कोषाध्यक्ष संजू, संचार मंत्री पद्मा घोड़ेला, सहित कौशल्या कुमावत, अनीता, ललिता, कांता, अंजु, मेघा, रोना, पुष्पा, मंजू आदि महिलाएं उपस्थित रहीं और आयोजन को सफल बनाया।

लहरिया उत्सव

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर टोंक फाटक क्षेत्र जयपुर की ओर से श्रीमती नीतू गैदर उपाध्यक्ष पत्नी पवन कुमार गैदर द्वारा लहरिया महोत्सव का आयोजन दिनांक 3 अगस्त, 2025 को श्री रामदेव बाबा मंदिर, विनोबा बस्ती के सत्संग हाल में बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। आयोजन में सांस्कृतिक मंत्री तोषिका तोंदवाल कार्यकारिणी सदस्य रेणू मारवाल, माधुरी ब्याड़वाल ने कार्यक्रम को सफल बनाया। लहरिया महोत्सव में निम्न अतिथियों ने आकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस आयोजन में सरला गैदर, सरपंच आसलपुर जोबनेर, कपिला मारवाल पार्षद हेरिटेज, डॉ. आशा कारगवाल, खुशबू मनेठिया, कृष्णा कुमारी, रीना राजोरिया व ममता राजोरिया ने लहरिया महोत्सव में भाग लिया। इस लहरिया महोत्सव में सावन क्वीन, रोपवाक, मेहन्दी, बैस्ट ड्रेस, बैस्ट हास्य प्रतियोगिता का कार्यक्रम भी किया गया सावन क्वीन प्रतियोगिता में कल्पना, रेंपवाक में प्रथम स्थान किरण आसीवाल, द्वितीय शान्ती, तृतीय लक्षिता कुमावत इसी के साथ दूसरे राउण्ड में ज्योति बबेरीवाल रुचिका देवतवाल एवं जीया खोवाल, मेहन्दी प्रतियोगिता में सरोज बड़ीवाल, मनीषा मारवाल बेस्ट ड्रेस में उषा सिरस्वा, बैस्ट हास्य में नीतू, राधिका देवतवाल ने भाग लिया। लहरिया महोत्सव में मुख्य संरक्षक श्री बाबूलाल ब्याडवाल, अध्यक्ष नरेन्द्र गुडीवाल, सतीश जलान्धरा कोषाध्यक्ष, ईश्वर लाल लोठ्या, सत्यनारायण बाबला, ओम प्रकाश गैदर और गणमान्य सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बीकानेर हाउस में तीज महोत्सव आयोजित

नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में तीज महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने किया। इस प्रदर्शनी में राजस्थान के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधान, घरेलू उत्पाद तथा अन्य स्वदेशी वस्तुओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया था।

राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन द्वारा 'सरस' ब्रांड के उत्पादों को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष बिक्री केंद्र की स्थापना भी की गई थी, जिसका निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। ऐसे आयोजन न केवल स्थानीय कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को भी सशक्त करते हैं। इससे स्वदेशी उत्पादों को नया बाज़ार मिलेगा और प्रदेश के कारीगरों के लिए सतत रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पुष्कर में 'रिश्ता' कुमावत युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ

27 जुलाई को पुष्कर के चंम्मालीसा कुमावत भवन में रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति के बैनर तले समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें समाज के 694 युवक व युवतियों ने परिचय फार्म भरे। इनमें से 536 युवक-युवतियों ने मंच से अपना परिचय दिया।

व्यवस्थापक प्रभुदयाल तूनगरिया ने बताया परिचय सम्मेलन समिति ने मिलकर मेहनत की और कार्यक्रम को सफल बनाया। इसमें उज्जैन, इंदौर, मंदसौर, रतलाम, जोधपुर, जयपुर, किशनगढ़, बांरा, विजयनगर, ब्यावर, केकड़ी सहित विभिन्न क्षेत्रों के युवक-युवतियों ने उपस्थित समाजबंधुओं के समक्ष मंच पर पहुंचकर अपना परिचय दिया इस बीच अतिथियों ने भी अपने उद्बोधन में समाज की एकजुटता पर जोर दिया। ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता बताई। सम्मेलन में 3000 से अधिक समाजजनों ने भाग लिया। पुरूष अतिथियों का माला, साफा व दुपट्टा तथा महिला अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया, विशिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक नानूराम कुमावत, पूर्व उप महापौर विमल कुमावत, समाज के राष्ट्रीय महामंत्री रूपसिंह कारगवाल, सम्मेलन के संरक्षक डा0 जयनारायण जूनवाल, छोटूराम बड़ीवाल, कैलाश, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर पीपाड़ा, भारती तोंदवाल सचिव कुमावत इंडिया पत्रिका, व्यवस्थापक प्रभुदयाल तूनगरिया, नंदकिशोर, शंकरलाल मारोठिया, हेमचन्द देवतवाल, जितेन्द्र देवतवाल, निरंजन देवतवाल, नेमीचंद दादरवाल, चन्द्रप्रकाश दादरवाल, राजेन्द्र अडानिया, संदीप कुदाल, अनिल पिपाड़ा, रजनी अडानिया, रतन कामिया, पंकज कामिया, श्रवण नोखवाल, विनीता धनेरिया, शिमला घोड़ेला, मिनाक्षी मारोठिया मदन उदयवाल,जगदीश, कालुराम सिन्दड संजय किरोड़ीवाल अध्यक्ष कुमावत समाज किशनगढ़ महेश मारोठिया प्रहलाद मारवाल फुलचंद छापोला कमल टाक सत्यनारायण मालिया विष्णु धोड़ेला भागचंद धोड़ेला कैलाश किरोड़ीवाल विशेष मारवाल संदीप, रामेश्वर, कन्हैयालाल, हेमचंद, श्योजीराम, ओमप्रकाश, कैलाशनंद, जगदीश पारमवाल, कन्हैयालाल तूनगरिया,मूलचन्द मारोठिया, ओम प्रकाश मारोठिया समेत बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा जयपुर शहर कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजिस्टर्ड) की जयपुर शहर कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 17 अगस्त 2025 को विजय कुंज, 80 फीट रोड, महेश नगर, जयपुर में आयोजित किया गया। जिसमें पधारे अतिथिगण सर्व श्री ललित तुनवाल संगठन मंत्री राजस्थान कांग्रेस, राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बंबोरिया, राष्ट्रीय सलाहकार विमल अनावडिया एवं समस्त पदाधिकारी तथा समाजजनों की मौजूदगी में शपथ ग्रहण हुआ। इसमें जयपुर शहर अध्यक्ष धनराज कुमावत, व.उपाध्यक्ष श्री घनश्याम बेरा, उपाध्यक्ष रामकरण भौंरोदिया एवं अशोक दोराया, महामंत्री राजसिंह भदानिया व एडवोकेट रेखा ब्याडवाल, कोषाध्यक्ष गौरीशंकर मारवाल सहित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से श्रीमती भारती तोंदवाल, लक्ष्मी नारायण घोडीवाल, रमेश वर्मा तथा खेमचंद खडगटा भी समारोह में उपस्थित रहे। समस्त कार्यकारिणी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

मोटिबेशनरल सेमिनार आयोजित

29 जून 2025 को कुमावत सेवा समिति, दांतारामगढ़ के तत्वावधान में मोटीवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के बच्चों को उच्च अधिकारियों ने उनके भविष्य को उज्वल बनाने के लिए सफलता के टिप्स दिए और उनको जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सूचना

जो समाजजन 'कुमावत इंडिया' पत्रिका से जुड़कर पत्रिका को तैयार करने में नि:शुल्क सहयोग देना चाहते है वे कृपया मो. 9414554322 सम्पर्क करें।

सम्पादक

कनिका कुमावत का AIIMS देहली में ऑल इण्डिया में 24वां स्थान

चौमूं, कनिका कुमावत (मामोड़िया) का AIIMS देहली में ऑल इण्डिया में 24वां स्थान प्राप्त कर चयन होने पर स्वागत कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इसमें विधायक चौमूं शिखा बराला, पूर्व विधायक चौमूं रामलाल शर्मा, पूर्व विधायक फुलेरा निर्मल कुमावत, PCC महासचिव (संगठन) ललित तुनवाल, दांतारामगढ प्रत्याशी गजानन्द कुमावत, RAS पी एस नागा, कुम्हार कुमावत महासभा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आर सी कुमावत, ताराचन्द सिरोहिया, भींवाराम पन्नालाल, बाबूलाल माचीवाल, चेतन धुंधारिया, रामस्वरूप मारवाल, मंच संचालक आर के सोकिल, श्रवण बिंवाल, Retd. उप शासन सचिव शंकर लाल कुमावत, सुरेन्द्र मामोडिया उपस्थित रहे।

पवन कुमावत ने वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग थाईलैंड में जीता ब्रॉन्ज मेडल

जयपुर। पवन कुमावत ने एक बार फिर प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। पवन कुमावत ने थाईलैंड में 16 से 19 जुलाई तक 12 वीं वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप सीनियर 76 किलो भार वर्ग मे इन्कलाईन ब्रेन्च पर्स में 125 किलो वजन उठाकर भारत के लिए ब्रोन्च मेडल जीता, पवन इससे पूर्व भी देश को कई अंतरराष्ट्रीय पदक दिला चुके हैं।

पवन कुमावत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता जगदीश प्रसाद व नान्छी देवी तथा अपने मार्गदर्शक कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ को दिया है।

रमेश चंद कुमावत आईआईटी रुड़की में सहायक प्रोफेसर नियुक्त

रमेश चंद कुमावत पुत्र श्री अनिल मारवाल (retd. DGM, BSNL) निवासी जयपुर ने आईआईटी दिल्ली से बी.टेक (2014) तथा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से पीएचडी (2023) करने के बाद आईआईटी रुड़की में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण करके कुमावत समाज को गौरवान्वित किया है। बहुत-बहुत बधाई।

राजेंद्र कुमावत पुत्र श्री पप्पूराम कुमावत ने RPSC द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान) भर्ती परीक्षा में 21वीं रैंक प्राप्त कर समाज का नाम रोशन किया है।

यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, समर्पण और उच्च शिक्षात्मक योग्यता का प्रमाण है। क्षेत्र की युवा पीढ़ी के लिए यह प्रेरणास्रोत बनने वाला क्षण है।

हाल ही में महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय चितौड़गढ़ में इन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के लिए बधाई ओर शुभकामनाएं

श्री राकेश जी कुमावत नर्सिंग ऑफिसर को राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन जैतारण में ब्लॉक अध्यक्ष बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं

आकाशदीप मारवाल पुत्र श्री मन्ना लाल मारवाल, निवासी शास्त्री नगर, लोसल, प्रवासी सूरत का चार्टर्ड एकाउंटेंट में चयन होने पर हार्दिक बधाई।

दक्ष कुमावत का आईआईटी, रोपड़ में चयन होने पर हार्दिक बधाई।

पत्रकार मोना कुमावत बने प्रदेश मीडिया प्रभारी

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति ने पत्रकार मोना कुमावत को प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया। यह नियुक्ति प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम साबलिया व पर्यवेक्षक टीकमचंद मावर के नेतृत्व में हुई। ग्रामवासियों और पदाधिकारियों ने मिठाई खिलाकर दी बधाई।

डिग्गी कल्याणजी पद यात्रा-2025 में 2दिवसीय नि:शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन कैलाशी डॉ.भंवर लाल वर्मा कुमावत द्वारा किया गया।

समाज गौरव लेफ्टिनेन्ट निखिल राजोरिया

निखिल राजोरिया का जन्म 31 जुलाई 2001 को 77, इन्द्रा कॉलोनी बनीपार्क में कृष्ण कुमार-सुजाता राजोरिया के घर पर हुआ।

इनकी प्रारम्भिक शिक्षा बनीपार्क एवं झोटवाड़ा के सेन्ट ऐन्सल्म स्कूल में विज्ञान एवं गणित में 90 प्रतिशत अंकों से 12वीं उत्तीर्ण की। स्कूल के समय से ही निखिल नाटक, खेलकूद, वाद विवाद, विज्ञान प्रदर्शनी एवं विज्ञान के प्रोजेक्ट बनाने में रुचि रखते एवं बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे। मिलनसार, मजाकिया एवं हँसमुख स्वभाव के एवं स्कूल टीचरों के अनुसार अपना काम छोड़कर दूसरे साथियों की समस्याओं में मदद करने के लिए तत्पर रहते थे।

माता-पिता निखिल को इंजीनियर बनाना चाहते थे निखिल ने मेन्स की परीक्षा के द्वारा MNIT जयपुर एडमिशन ले लिया एवं माता-पिता की इच्छा पूर्ण की।

परन्तु निखिल का सपना कुछ अलग ही था। वह देश सेवा में जाना चाहते थे। तो वह छुप-छुप कर अतिरिक्त समय निकालकर NDA/Navy tech की तैयारी की एवं फीट रहने के लिए 10 किलो वजन कम किया NDA/Navy Tech की परीक्षा उत्तीर्ण कर SSB को पास किया एवं भारतीय नौसेना में ऑफिसर पद की ट्रेनिंग के लिए चयनित हुए। भारतीय नौ सेना अकादमी केरल से साल 2021 से 2025 तक चार साल की कड़ी एवं कठिन ट्रेनिंग की जिसमें घुड़सवारी, शूटिंग, नौकायन, तैराकी और मैराथन दौड़ इत्यादि शामिल थी। साथ ही 4 साल की जेएनयू से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में बी. टैक की डिग्री प्राप्त की। 31 मई, 2025 को केरल स्थित भारतीय नौसेना अकादमी से माता-पिता एवं दादाजी की उपस्थिति में पासिंग हाउट परेड में हिस्सा लिया और भारतीय नौसेना में सब-लेफ्टिनेंट पद पर कमीशन प्राप्त किया। इस तरह से निखिल ने अपनी दादी स्व. श्री रूकमणी देवी दादा श्री अमरचन्द राजोरिया के आशीर्वाद से माता पिता के त्याग एवं मेहनत से तथा स्वयं की लगन एवं इच्छा शक्ति से भारतीय नौ सेना में सब लेफ्टिनेंट पद पर कमीशन होकर परिवार एवं समाज का नाम रोशन किया है।

सीएफओ विकास कुमावत राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत

जयपुर। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्र स्तरीय समारोह में जयपुर के सीएमए विकास कुमावत को बेस्ट सीएफओ अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट अकाउंटेंट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित समारोह में विकास कुमावत को सांसद भृतहरि मेहताब और सीएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति भूषण नायक ने सम्मानित किया। सीएमए विकास कुमावत जयपुर की आभूषण निर्माता कंपनी डेरेवाला इंडस्ट्रीज में सीएफओ पद पर कार्यरत हैं। बधाई।

डीडी कुमावत आरसीए के कन्वीनर बनाए गए

राजस्थान सरकार ने राजस्थान क्रिकेट में चल रहे विवादों पर विराम लगाते हुए श्री डीडी कुमावत को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का कन्वीनर नियुक्त किया है। रजिस्ट्रार ने नई एड हॉक कमेटी को तीन माह में चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं। डीडी कुमावत ने बताया कि वे हर जिला संघ के प्रतिनियिधयों के साथ बैठक करके विवादों का निपटारा करेंगे तथा राजस्थान में क्रिकेट की बेहतरी के लिए काम करते हुए जल्द ही चुनाव कराए जाएंगे।

गौरव कुमावत को पीएचडी की उपाधि

नवज्योति/उदयपुर। मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के शोधार्थी गौरव कुमावत को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। गौरव ने **''अर्ली डिटेक्शन ऑफ सर्वाइकल कैंसर यूजिंग डीप लर्निंग टेकनीक्स''** विषय पर शोध कार्य किया। इस शोध का निर्देशन डॉ पुनीत मित्तल ने किया। डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा और प्रोफेसर डॉ प्रसून चक्रवर्ती सह निर्देशक रहे।

कुमावत समाज 5 खेड़ा संस्थान, उदयपुर

श्याम सुंदर अध्यक्ष, दया शंकर महामंत्री नियुक्त

उदयपुर। कुमावत समाज पांच खेड़ा संस्थान के चयनित 57 प्रतिनिधियों की बैठक नाहरा घाटी, चांदपोल, कुमावत भवन पर रखी गई।

बैठक में पांच खेड़ा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष द्वारा गठित एडहॉक कमेटी ने चयनित 57 प्रतिनिधियों में से आठ पदाधिकारियों को अस्थाई (कार्यकारी) मनोनीत किया गया। इसमें अध्यक्ष श्याम सुंदर माननिया, उपाध्यक्ष कन्हैयालाल ईठारा, महामंत्री दया शंकर रावड़िया, सचिव कैलाश उदीवाल को बनाया गया। नवीन कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई।

कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट सावन महोत्सव सम्पन्न

श्री हरिशंकर खण्डारिया द्वारा बताया गया कि 03 अगस्त 2025, को विजयगढ़ पैलेस में कुमावत समाज वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट द्वारा आयोजित सावन महोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस आयोजन ने न केवल परंपरा और संस्कृति को जीवंत किया, बल्कि समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का अद्भुत कार्य किया। कार्यक्रम की सफलता के मूल में आदरणीय श्री विजय गोठवाल जी का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने विजयगढ़ पैलेस को आयोजन स्थल के रूप में प्रदान कर इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। उनके प्रति आयोजकों और सभी सहभागीगणों ने आभार व्यक्त किया।

इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सजीव प्रस्तुति के लिए श्रीमती शारदा जी पडियार, श्रीमती सुधा जी मालडिया एवं डॉ. श्रीमती चंद्रकांता जी का नाम प्रमुख रहा। विशेष रूप से श्रीमती शारदा जी ने पहली बार इस कार्यक्रम में भाग लेकर मंच संचालन को सजीव और आकर्षक बना दिया।

विशेष रूप से, कार्यक्रम में पधारी सभी चिकित्सक महोदया- डॉ. पूजा, डॉ. साक्षी, डॉ. तनीषा, डॉ. पल, डॉ. रितवी, डॉ. चेष्टा और डॉ. मिताली का आयोजकों ने हृदय से आभार प्रकट किया। इन सभी सम्माननीय चिकित्सकों की उपस्थिति ने समाज को गौरवान्वित किया और आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

इस अवसर पर आदरणीय श्री ओमप्रकाश जी टांक द्वारा डॉ. जमनालाल जी बातरा को अध्यक्ष और डॉ. पूजा इंठारा को सचिव नियुक्त कर डॉक्टर सेवा बचत बैंक की स्थापना की गई, जो समाज सेवा की एक नई दिशा और नवचेतना की ओर प्रशस्त कदम है। आयोजकों ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए श्री टांक जी का विशेष साधुवाद एवं अभिनंदन व्यक्त किया।

इस अवसर पर उन सभी दानदाताओं का भी हृदय से आभार प्रकट किया गया जिन्होंने अपने जन्मदिवस अथवा वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष में ट्रस्ट को आर्थिक सहयोग प्रदान किया। साथ ही भूमिकोष के लिए सहयोग देने वाले सभी बंधुओं का भी विशेष आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में सभी मातृशक्ति का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने अपने जीवनसाथी के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर आयोजन को गरिमा प्रदान की। उनकी सहभागिता ने सामाजिक एकता और महिला सशक्तिकरण का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस आयोजन की वित्त समिति में श्री दुष्यंत जी एवं श्रीमती दिनेश देवी लारना, श्रीमती मधु देवी एवं श्री शकर मनोहर जी बबेरिवाल, श्री जितेन्द्र जी तुनिवाल, श्री अम्बा लाल जी बातरा, श्री जगदीश जी मामोडिया, श्री भगवती लाल जी मानणिया, श्री मोहन जी धनारिया, श्री हरि सिंह जी घटेलवाल एवं श्री पुष्कर राज सिंह जी बाबरवाल जैसे समर्पित सदस्यों ने कार्यभार संभाला और पूरे आयोजन में आर्थिक व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान किया।

भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाले श्री सुखलाल जी ऊंटवाल, श्री घनश्याम जी आंवला, श्री भगवती लाल जी मानणिया एवं श्री शंकर लाल जी भदाणिया ने सभी आगंतुकों के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की, जिसके लिए आयोजकों ने उनका विशेष आभार व्यक्त किया।बस व्यवस्था हेतु श्री शंकर लाल जी भदाणिया एवं श्री पुष्कर राज सिंह जी बाबरवाल का योगदान सराहनीय रहा।

कार्यक्रम की प्रशासनिक व्यवस्था (बैठक, स्टेज, माइक, सजावट आदि) के संचालन में श्री हिम्मत जी मानणिया, श्री प्रेम शंकर जी भदाणिया, श्री घनश्याम जी अजमेरा और श्री नंद किशोर जी अजमेरा का समर्पण देखते ही बनता था। वित्तीय लेखा-जोखा समिति के श्री दुष्यंत जी लारना, श्रीमती दिनेश जी लारना एवं श्रीमती सुधा पालडिया ने भी आयोजन की पारदर्शिता बनाए रखी।

अंत में आयोजकों द्वारा सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सम्मानित बंधुओं का दिल से धन्यवाद किया गया, जिनकी नि:स्वार्थ सेवा भावना से यह **श्रावण उत्सव 2025** एक अविस्मरणीय स्मृति बन सका।

कुमावत ने जरूरतमंद के लिए किया रक्तदान

नाथद्वारा। श्रीगोवर्धन राजकीय जिला चिकित्सालय, नाथद्वारा में डेढ़ साल के बच्चे को तत्काल ए पॉजिटिव ब्लड 60 एमएल मात्रा की जरूरत पड़ने पर नगर के युवा कमल कुमावत ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल दी। चिकित्सालय के बल्ड बैंक में कार्यरत योगेश जोशी ने बताया कि ब्लड के उनसे सम्पर्क किया तो कमल कुमावत ने समय पर ब्लड बैंक पहुंच कर ब्लड डोनेट किया। उल्लेखनीय है कि कमल कुमावत ने 15वीं बार ब्लड डोनेट कर मानवता के लिए कार्य किया।

कौशल कुमावत ने MBBS किया

कौशल कुमावत पुत्र श्री रोशन वर्मा को MBBS Final उत्तीर्ण करके अपने परिवार का नाम रोशन किया है।

डॉ. कौशल ने MBBS सैफ़ई,उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेज से सेकंड पोजिशन में उत्तीर्ण करने का गौरव प्राप्त किया है। डॉ. कौशल ने Olympiad Qualified करने के साथ भारत सरकार से NTSE और KVPY स्कॉलरशिप भी प्राप्त की है।

डॉ. कौशल कुमावत को MBBS करने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

लक्ष्मी सिहोटा ने AIMS परीक्षा उत्तीर्ण की

लक्ष्मी कुमावत पुत्री संतोष-कुंदनमल (पप्पू जी) सिहोटा निवासी गंगासागर रोड़, नावां ने AIMS की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बहुत बहुत बधाईयां। कुमावत समाज, नावां के गणमान्य लोगों द्वारा लक्ष्मी का साफा बंधन, दुपट्टा पहना कर व मिठाई खिलाकर स्वागत सत्कार किया गया।

डॉक्टर राजेश कुमावत को यूनिवर्सिटी ऑफ़ होम्योपैथी , जोधपुर में फिजियोलॉजी विभाग में एसोसियेट प्रोफेसर से पदोन्नत होकर प्रोफेसर बनने पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

जयश्री कुमावत ने ताइक्वांडो में जीता स्वर्ण

किशनगढ़-मदनगंज की जयश्री मारवाल पुत्री श्री कन्हैयालाल मारवाल (समाजसेवी प्रहलाद जी मारवाल की भतीजी) ने 3 से 6 अगस्त 2025 तक आयोजित CBSE WEST ZONE ताइक्वांडो प्रतियोगिता, अहमदाबाद under-17 छात्रा, 42 भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर समाज का नाम रोशन किया है।

इस प्रतियोगिता में राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, दादर और नागर हवेली, दमन और दीव के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

श्री ओमप्रकाश कुमावत को लघु उद्योग भारती, गुजरात इकाई, सूरत के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। बहुत-बहुत बधाई।

पीयूष उदयवाल पुत्र स्व. श्री जयदेव उदयवाल का यूरोलॉजी के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों में से एक, केंद्रीय स्तर के संस्थान, GMC कोटा में MCh यूरोलॉजी में चयन हो गया है। इसे पूर्ण होने पर पीयूष कुमावत नेफ्रोसर्जरी में सुपर स्पेशलिस्ट बनेंगे। बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामना।

डूबते हुए युवक को बचाने के लिए थानेदार ने लगाई नदी में डुबकी

रिया बड़ी क्षेत्र के जसनगर में लूनी नदी की रपट पर एक युवक बाइक से जा रहा था तभी उसका संतुलन बिगड़ा और नदी में बह गया। यह देखते ही जसनगर चौकी प्रभारी **राजमल कुमावत** ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में कूद कर डूबते हुए युवक को बचाया का साहसिक कार्य किया है। इन पर समाज को गर्व है।

विमल कुमार कुमावत को PWD JEN भर्ती परीक्षा में ऑल राजस्थान 1st रैंक मिलने पर बहुत बहुत बधाई शुभकामनाएं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

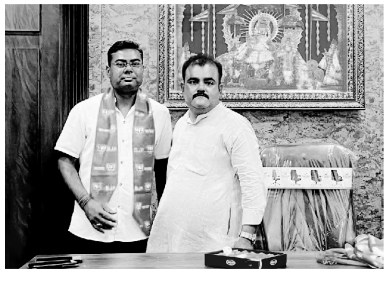

मनीष कुमावत को भाजपा भवानी निकेतन मंडल, विद्याधर नगर विधानसभा में मंडल मंत्री बनाया गया। हार्दिक बधाई।

गौत्तम कुमार आर्य कुमावत गाँव बिचुन को मुख्यमंत्री श्री भजन लाल जी ने सामाजिक सेवा करने पर सर्टिफिकेट कार्ड से सम्मानित करते हुये।

आजादी के 78 वर्ष बाद भी कुमावत समाज राजनति में पेठ नहीं बना सका

दोस्तों हम हमारे समाज की ओर ध्यानपूर्वक नजर दौड़ायें तो राजनैतिक क्षेत्र में हमारी पेठ नगण्य ही दिखती है। बाबू शोभाराम कुमावत अपने दम पर संसद में पहुँचे तथा समाज से कोई भी व्यक्ति राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचना तो दूर उसके आसपास भी नहीं दिखता।

राजस्थान की बात करें तो चंद लोग विधायक बने जिनमें शोभाराम कुमावत, श्री नवरत्न राजोरिया, श्री नानू राम कुमावत, श्री सुरेन्द्र गोयल, श्री ब्रह्मदेव कुमावत, श्री निर्मल कुमावत, श्री डूंगर राम गेदर सम्मिलित हैं। क्या हम राजस्थान में अपने संख्या बल पर 8-10 विधायक व 2 सांसद भी नहीं जिता सकते। अन्य राज्यों से तो शायद ही कोई विधायक बने हो। आखिर क्या कारण है ?

- क्या कुमावत समाज ने संगठित होकर राजनीति में आगे बढ़ने का प्रयास नहीं किया ?
- क्या समाज में योग्य, बुद्धिजीवी, अनुभवी और कुशल लोगों की कमी है ? क्या हमारा समाज अभी भी मजदूर वर्ग में है और आर्थिक रूप से कमजोर है ?
- क्या समाजबंधु हमारे समाज के व्यक्ति को राजनीति में बढ़ते नहीं देखना चाहते, और टांग खिंचाई करते हैं ?
- क्या हमारे समाज के राजनैतिक कार्यकर्ता समाजहित से अधिक पार्टी विशेष के हित में कार्य कर रहे हैं ? क्या उन्हें आभास नहीं कि समाज का हित किसमें है ?
- क्या हमारे समाज के लोग ओबीसी आरक्षण मिलने के बाद भी इसका लाभ नहीं लेना चाहते ?

हमने प्राय: देखा कि हमारे समाज के प्रत्याशी को राजनैतिक दल पहले तो टिकिट ही नहीं देते और अन्य जातियों को टिकिट देकर उन्हें खुश रखते हैं। हमें तो दरी बिछाने व उठाने जैसे कार्यों में संलग्न रखना चाहते हैं। हमारे समाज के कुछ लोग इसी में अपना भला समझ लेते हैं और पार्टी के प्रति लम्बी निष्ठा व राजनैतिक अनुभव होने पर भी टिकिट की पुरजोर मांग करने में विफल रहते हैं। ऐसे में उनसे कार्यकर्ता व सहयोगी बिछड़ जाते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने प्रभाव से टिकिट ले भी आया तो हमारे समाज के कुछ नेता व आर्थिक रूप से सशक्त लोग उसे सहयोग व समर्थन देने के बजाए ये कैसे हारे इसी उधेड़बुन में लगे रहते हैं। ऐसे में परिणाम वो ही आता है जो नहीं होना चाहिए था। चंद नेताओं की गलत सोच, नीजि स्वार्थ, पार्टी निष्ठा व असहयोग एक योग्य समाजबंधु को विधानसभा और लोकसभा में जाने से रोक देते हैं और पूरे समाज का नुकसान हो जाता है। इसे कोई भी समाजबंधु ठीक नहीं मानता पर न जाने क्यों कुछ चंद नेताओं की इस गलत हरकत का साथ दे देते हैं ? अगर हमारा समाज बंधु किसी पार्टी से टिकिट ले आया तो पूरा समाज उसके साथ खड़ा रहे और अपने-अपने सम्पर्क वाले अन्य जातियों के लोगों व परिवारों से भी उसे वोट दिलवाये। क्या हम नहीं चाहते कि हमारे समाज की बात रखने वाला व्यक्ति विधायिकाओं व संसद में हो। यदि ऐसा नहीं होगा तो हमारे समाज एवं समाज के लोगों के काम कैसे होंगे ? समाजजन अपने वोट की ताकत को पहचाने, अपने विवेक का इस्तेमाल समाजहित में करें। अपने आपसी मतभेद को समाजबंधु को हराने में नहीं करें तथा समाज के कर्णधार सही दिशा में सोचें। समाज एकता व संगठन को मजबूत बनाए, कार्यकर्ताओं को जोड़े, उनके छोटे-मोटे कामों को करवाए और मेलजोल बढ़ाये। हमारा समाज क्षेत्र में रह रहे अन्य समाज के लोगों से अच्छा सामंजस्य बनाये, जो हमें वोट कर सकें।

राजनीति में हम जाट समाज से सीखें कि अलग-अलग दलों में उनके नेता रहकर भी वे 'बेटी और वोट जाट को' ही देते हैं। यदि 2 प्रभावशाली पार्टियों से 2 जाट नेता टिकिट ले आये हैं तो जिताऊ व अच्छे उम्मीदवार को ही पूरा समाज संगठित हो वोट देकर जिताता है। इसी तरह दशकों से ब्राह्मण समाज संगठित रहकर राजनैतिक लाभ ले रहा है।

सभी बातों पर मंथन के बाद निष्कर्ष यह है कि योग्य व्यक्तियों को राजनीति में भेजे जो निस्वार्थ सेवा करते हुए हमारे समाज को आगे ले जा सके और हम सभी समाजबंधु उनका साथ दें। इसके लिए तन-मन-धन से सहयोग करें। कोई भी समाजबंधु उन्हें पीछे धकेलने का कार्य नहीं करें। तब ही समाज का हित हो सकता है।

-अर्जुन लाल दौराया, महावीरनगर, जयपुर

डॉ. कलाम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड -2025

भारतीय सूक्ष्म कला को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने वाले जयपुर, राजस्थान के गौरव डॉ. राम सिंह राजोरिया जी को Kalam Youth Leadership Conference में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उनकी अद्वितीय साधना, अतुलनीय धैर्य और भक्ति से परिपूर्ण कलात्मक यात्रा को समर्पित है — एक ऐसा समर्पण जिसने चावल के दाने को भी ज्ञान का प्रतीक बना दिया।

उनकी कला, केवल दृश्य नहीं — आध्यात्मिक अनुभव है।

कमलेश डाल, BCA, MCA, Pursuing Ph.D. in Computer Science

पत्नी श्री कृष्ण कुमार डाल

निवासी : 64, श्री कृष्णा विहार, आसरपुरा, नारायण विहार, जयपुर

ये DAL Design Academy की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) है। यह संस्थान जयपुर के प्रमुख डिजाइन संस्थानों में से एक है, जो ज्वेलरी डिज़ाइन के क्षेत्र में रचनात्मकता, शिल्प कौशल और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

ज्वेलरी डिज़ाइन, CAD (कंप्यूटर एडेड डिज़ाइन) और डिज़ाइन शिक्षा में इन्हें एक दशक से अधिक का अनुभव है तथा इन्होंने सैकड़ों विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया है, जो आज देश और विदेश की प्रतिष्ठित ज्वेलरी इंडस्ट्री में सफलतापूर्वक कार्यरत हैं।

इनके कार्य को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सराहा गया है तथा निम्न प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित किया गया—

ज्वेल्स ऑफ राजस्थान-सर्वश्रेष्ठ आभूषण डिज़ाइन पुरस्कार (2018, अंतर्राष्ट्रीय स्तर), चाणक्य पुरस्कार (2023) -श्री कर्णी यूनिवर्स कॉलेज द्वारा, डायरेक्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड (2024) – UNI-TEAS द्वारा।

इन्होंने गोवा और दुबई जैसे प्रतिष्ठित स्थलों पर आयोजित कई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंसों में भाग लिया है, जहाँ डिज़ाइन, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक विशेषज्ञों के साथ विचार साझा करने का अवसर मिला।

ये कंप्यूटर साइंस विभाग में पीएच.डी. शोधार्थी है, जहाँ डिज़ाइन और तकनीक के समन्वय पर शोध कर रही है। इनका उद्देश्य है आभूषण उद्योग के लिए उन्नत, डिजिटल और भविष्य-उन्मुख समाधान विकसित करना है।

ये RAMA (राजस्थान एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया एसोसिएशन) की सक्रिय सदस्या है और एनीमेशन, वीएफएक्स तथा डिजिटल डिज़ाइन के क्षेत्र में भी निरंतर योगदान दे रही है।

काजल कुमावत (निमीवाल), M.Sc. (Physics), CSIR-NET

पत्नी स्वर्गीय डॉ इन्द्रजीत उराडिया

निवासी फ्लैट 604, कंचनजंगा अपार्टमेन्टस, बोरखेड़ा, कोटा

काजल कुमावत वर्तमान में जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय,कोटा में भौतिकी की सहायक आचार्य (Assistant Professor)तथा Head of Department हैं। इन्होंने CSIR-NET में ऑल इंडिया रैंक 115 प्राप्त की और RPSC में सहायक आचार्य चयन में 14वीं रैंक प्राप्त की। शिक्षण का 12 वर्षों से अधिक अनुभव है। साथ ही, ये Unacademy पर IIT JAM केटेगरी में परमानेंट एजुकेटर भी रही हैं। इनके मार्गदर्शन में अब तक 100 से अधिक विद्यार्थियों ने IIT, NIT, JEST, CUET आदि परीक्षाओं में चयन प्राप्त किया है।

इन्हें शिक्षा को सबके लिए सुलभ बनाने की गहरी भावना है। इनका स्वयं का यूट्यूब चैनल है youtube channel (Kajal kumawat) जिस पर लगभग 10,000 सब्सक्राइबर हैं और 600 से अधिक नि:शुल्क वीडियो उपलब्ध हैं। B.Sc. और M.Sc. की पूरी पढ़ाई का फ्री कंटेंट उपलब्ध है। वर्तमान में इन्होंने IIT JAM का एक पूर्णत: नि:शुल्क कोर्स भी लॉन्च किया है।

निजी जीवन में काजल कुमावत का संघर्ष भी प्रेरणादायक है। विवाह के मात्र दो वर्षों बाद ही उनके पति की लीवर संबंधित बीमारी में मदद के लिए उन्होंने अपना 67% लीवर दान किया, पर दुर्भाग्यवश पति की कैंसर से मृत्यु हो गई। इसके बाद इन्होंने अंगदान का सरकारी प्रमाणपत्र भी बनवाया है, जिससे मृत्यु के पश्चात उनके सभी अंग सरकार द्वारा ज़रूरतमंदों को दान में दिए जा सकें।

समाजसेवा की दृष्टि से भी काजल अत्यंत सक्रिय हैं। बालिकाओं के सरकारी कॉलेज में कार्यरत होने के कारण वे छात्राओं की समस्याओं को भलीभांति समझती हैं। वे विभिन्न स्थानों पर जाकर कैरियर काउंसलिंग टॉक्स देती हैं, जिससे छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं व नौकरियों के बारे में सही जानकारी मिल सके। साथ ही, वे उन्हें छोटे-छोटे तकनीकी व डिजिटल स्किल्स भी सिखाती हैं जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इनसे प्रेरित होकर कुमावत समाज की युवतियां आगे बढ़ पायेंगी।

श्रीमती अंकिता कुमावत (MBA), को-फाउण्डर 'मातृत्व आर्गेनिक' पत्नी श्री लोकेश कुमार

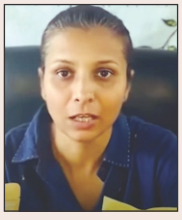

अजमेर की अंकिता कुमावत ने IIM कोलकत्ता से MBA किया, जिसकी प्रवेश परीक्षा ही बहुत कठिन होती है। इसके बाद अमेरिका एवं जर्मनी में नौकरी की। किन्तु देश के लिए ही कुछ करने की इच्छा के कारण लाखों रुपए की नौकरी छोड़ अजमेर आयी। पहले बहुत सी रिसर्च की, मशरूम की खेती, गो-मूत्र एवं गोबर उत्पाद का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद देशी गिर गायों की डेयरी प्रारम्भ की, जिसमें अभी 50 गायें हैं। A-2 मिल्क से शुरुआत करके पनीर, घी, मिठाइयां आदि प्रोडक्ट बनाये।

आर्गेनिक शहद, आंवला प्रोडक्ट्स, च्यवनप्राश तथा लगभग 300 प्रोड्क्टस बना कर स्वयं की 'मातृत्व साइट' से PAN India तथा विदेश में ऑनलाइन बिक्री कर रही है। ये अमेजोन एवं फिलिप कार्ट के प्लेटफार्म से भी बिक्री करती है। इनका यहां 3 बीघा एग्रीकल्चर फार्म है जहां आर्गेनिक कृषि के साथ प्रोसेसिंग यूनिट व पैकिंग यूनिट है। ये 40 से अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। नसीराबाद एवं फुलेरा में भी एग्रीकल्चर फार्म है। इसके अलावा आर्गेनिक कृषकों से एसोसिएयट है। ये समाज की महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं कि कैसे वे देश में ही स्टार्टअप प्रारम्भ कर अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ सकती हैं।

तनिषा कुमावत, MBA

पुत्री श्री भवानी शंकर खड़गटा सुपौत्री स्व. श्री गोविन्द नारायण वर्मा रिटायर्ड कम्पाउण्डर सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर निवासी ए-132, गोविन्द नगर पूर्व, आमेर रोड, जयपुर

तनिषा कुमावत बचपन से ही प्रतिभावान रही हैं। इनकी रूची मैनेजमेंट कोर्सेस की तरफ रही तथा इन्होंने BBA एवं MBA किया है। ये अभी Cyntexa, Jaipur में सीनियर टेक्नीकल कनटेन्ट राइटर के रूप में कार्य रही हैं।

शिवानी कुमावत कसुम्बीवाल, MBA, IIM रोहतक

पुत्री श्री विनोद कुमावत एवं पत्नी श्री आयुष कसुम्बीवाल,
निवासी जयपुर

IIM रोहतक से स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में 1.5 वर्ष कार्य किया। वर्ष 2022 से पारिवारिक व्यवसाय में सक्रिय होकर उसे पूरे भारत और अब विदेशों तक ऑनलाइन विस्तार दिया। व्यापार व नेतृत्व में उत्कृष्ट कार्य हेतु MSME, सोनू सूद, चित्रांगदा सिंह सहित कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से सम्मानित है।

प्रतीक्षा बालोदिया, एमबीए फाइनेंस

पुत्री श्री परसराम बालोदिया।
निवासी 24 विश्वेश्वरिया नगर विस्तार, वाटिका पथ, गोपाल पुरा बाईपास, जयपुर।

प्रतीक्षा बालोदिया प्रारम्भ से ही पढाई में आगे रही है ये अभी इंडसइंड बैंक, मुंबई में क्रेडिट प्रबंधक के पद पर अपनी सेवाएं दे रही है।

श्रीमती मीना कुमावत M.A., B.Ed.

पत्नी डॉ. घनश्याम कुमावत (झुन्झुनोदिया) श्रीमती मीना कुमावत RAS-2007 बैच से चयनित होकर वाणिज्यक कर विभाग में नियुक्त हुई। आप अभी संयुक्त आयुक्त राज्य कर के पद पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। इस विभाग में वर्तमान में उच्च पद पर कार्यरत ये एकमात्र अधिकारी हैं।

कृति B.Arch- MNIT, Jaipur. Masters in Landscape, SPA Delhi

पत्नी आभास वर्मा, निवासी 60, जय जवान कॉलोनी द्वितीय, टोंक रोड, जयपुर

पूर्व में दिल्ली विकास प्राधिकरण में कार्यरत रहीं, श्री कल्पतरु संस्थान एनजीओ के सदस्य, COA और ISOLA राष्ट्रीय संगठन के सदस्य। मॉट मैकडोनाल, नोएडा (यूनाइटेड किंगडम की प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कम्पनी) में पूर्व लैंडस्केप आर्किटेक्ट। वर्तमान में खतीब एंड अलामी, बेंगलुरु (संयुक्त अरब अमीरात की शीर्ष निर्माण कंपनी) में प्रमुख लैंडस्केप आर्किटेक्ट के रूप में कार्यरत है।

डॉ. रिया बालोदिया, एमबीबीएस (एमजीएमसीएच, जयपुर)

पुत्री विजेंद्र बालोदिया, निवासी एच-19 राम नगर एक्सटेंशन, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर

शेष पृष्ठ 27 पर...

Rakesh Sirohiya

Harinarayan Premraj

Manufacturers & Suppliers

**Sandal Wood, Rose Wood, Abony & Plain Wood Articals,
Silk, Paper, Gem Stone, Marble Painting, Agarbatti etc.**

**Near Hotel Rajputana Palace Shereton, Digamber Jain Temple,
Railway Station, Jaipur-302006 (INDIA)
Ph.: 0141-2374530 | Mob.: +91 9829405503
Email : harinarayanpremraj@gmail.com**

हार्दिक बधाई

कौशल कुमावत

को डॉक्टर बनने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें

डॉ. कौशल कुमावत (MBBS)

डॉ. कौशल ने अपनी बड़ी बहन डॉ. हिमांशी कुमावत (BDS) की तरह ही अपने परिवार का नाम रोशन किया है। डॉ. हिमांशी कुमावत वर्तमान में रूंगटा हॉस्पिटल में कार्यरत हैं, हम सभी को डॉ. कौशल पर गर्व है। डॉ. कौशल बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल व अनुशासित रहा है, सेकेंडरी 97.80% और सीनियर सेकेंडरी 97% से उत्तीर्ण की है। डॉ. कौशल ने MBBS उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेज, सैफई से उत्तीर्ण करने का गौरव प्राप्त किया है। डॉ. कौशल ने Olympiad Qualified करने के साथ भारत सरकार से NTSE और KVPY स्कॉलरशिप भी प्राप्त की है। हम सभी परिवारजन डॉ. कौशल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

शुभेच्छु

दादा-दादी	माता-पिता	बुआ-फूफाजी	बहिन
नवल किशोर वर्मा लक्ष्मी देवी	रोशन वर्मा आशा वर्मा	शशि- छिगन अनावडिया सरोज - गुलाबचन्द कुमावत	डॉ. हिमांशी कुमावत (BDS)

पता : 651-AB, सूर्य नगर, रिद्धी-सिद्धी चौराहा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर मो. +91 90010 08866

हार्दिक बधाई

डॉ. कौशल कुमावत (MBBS)

डॉ. हिमांशी कुमावत (BDS)

आशा एवं रोशन जी वर्मा के सुपुत्र कौशल कुमावत को डॉक्टर (MBBS) बनने पर हार्दिक बधाई एवं सुपुत्री डॉ. हिमांशी कुमावत (BDS) को भी बधाई व शुभकामनायें। हम सभी परिवारजन चिकित्सा सेवा में आप दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

शुभेच्छु

नाना-नानी	मामा-मामी	मौसी - मौसाजी	भाई -बहन
बाबूलाल वर्मा	मुकेश-ममता वर्मा	अनुराधा कुमावत	पीयूष, मोनिष्का
अनिता वर्मा	प्रिंस-चंद्रिका कुमावत	वीरेन्द्र कुमावत	युवराज, भूविष्का

MUKESH & ASSOCIATES
Gopalpura Bypass
Jaipur

HONDA
Jaipur Honda
Malviya Nagar & Kanota
Jaipur

Jaipur Agro Estate
Bassi Naga, Kalwar Road
Jaipur

एस-66, आदिनाथ नगर, जेएलएन मार्ग, जयपुर मो.नं. 9828060880, 9828014880, 9828116880

श्री दादू दयाल महाराज, श्री हनुमानजी महाराज, श्री जगदीश महाराज एवं दादा-दादी की असीम कृपा से

रूपन आर्ट्स

जयपुर, दिल्ली, नेपाल

गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई साथ ही
'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 8 वर्ष पूर्ण होने तथा
महिला विशेषांक प्रकाशित किए जाने पर हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

श्रीमती शारदा-रूप सिंह कारगवाल (राष्ट्रीय महामंत्री, सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा रजि.),
श्रीमती उर्मिला-उमेश चन्द कारगवाल, श्रीमती विमला-श्री विजय मण्डावरा, श्रीमती उमा-श्री सुशील आसीवाल, डॉ. देवांशी-इंजी. श्री पवन, गर्वित, दैविक, हर्षिता, मिष्ठी एवं समस्त कारगवाल परिवार

ई-544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर-302015
फोन : 0141-6761032, मो. : 9314502407, 9314502964

सरला कुमावत, धर्मशास्त्र आचार्य M.A., B.Ed

पत्नी श्री कमलेश कुमार गैदर निवासी आसलपुर, जोबनेर, जयपुर। अभी ये सरपंच आसलपुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष, झोटवाडा (पश्चिम) है।

सरला कुमावत ने अपने नेतृत्व, संकल्प और सामाजिक समर्पण से गाँव के सर्वांगीण विकास की मिसाल कायम की है। श्री सीमेंट ट्रस्ट के सहयोग से गर्भवती महिलाओं को पोषणयुक्त आहार व विटामिन की दवाएं उपलब्ध करवाईं तथा सोलर स्ट्रीट लगवाई। ग्राम सरपंच बन कर पीएचसी को क्रमोन्नत व नई बिल्डिंग का निर्माण कराया गया, आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र की स्थापना करवाई, एमडीआर सड़क से जोड़कर आसलपुर को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा, जल निकासी तंत्र व सफाई व्यवस्था में सुधार किया। ग्राम पंचायत भवन में वातानुकूलित पुस्तकालय का निर्माण करवाकर शिक्षा और ज्ञान-साधना को नई दिशा दी।

उन्हें विभिन्न सम्मानों से नवाजा गया है, जिनमें दैनिक भास्कर द्वारा ''सिरमौर सरपंच अवार्ड'', इंडो-नेपाल मंच द्वारा ''नारी शक्ति शिरोमणि अवार्ड'' तथा शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए जोबनेर नगर पालिका द्वारा ''राधा कृष्णन सम्मान-2024'' शामिल हैं। डायमंड एकेडमी सीनियर सैकेंडरी स्कूल से जुड़कर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रचार-प्रसार में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

आज ग्राम आसलपुर उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और समाज के प्रति सेवा भावना का जीवंत उदाहरण है।

हेमलता कुमावत, M.A. B.Ed. (शिक्षिका)

अभी हेमलता कुमावत यूपीएस कुमावतों का गुड़ा बड़गांव, उदयपुर में पदस्थापित हैं इन्हें 28 वर्ष का शैक्षणिक अनुभव है। इसके अलावा कला एवं शिल्प, कहानी लेखन में दक्ष हैं।

इन्हें जिला स्तरीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक 2023 एवं ब्लॉक स्तरीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

''जीवन कौशल, आत्मसम्मान और शारीरिक आत्मविश्वास'' पर पुस्तक का लेखन भी किया है।

योग शिक्षिका दीपिका कुमावत, एम.ए.

पत्नी श्री राकेश कुमावत (माचीवाल) निवासी 526, बरकत नगर, जयपुर

दीपिका कुमावत ने समाज कल्याण की भावना से प्रेरित होकर बरकत नगर, जयपुर में योग एवं ध्यान केंद्र की स्थापना की, जो नारी सशक्तिकरण और स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह केंद्र महज एक व्यवसाय नहीं, बल्कि उनका समाज सेवा हेतु समर्पण का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने योग को केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसके मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक पहलुओं को भी प्रमुखता दी। उनके मार्गदर्शन में सैकड़ों महिलाओं को तनाव, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, पीठ दर्द, थायरॉइड व अनिद्रा जैसी समस्याओं से राहत मिली। दीपिका कुमावत का योग क्षेत्र में यह योगदान नारी स्वास्थ्य और मानसिक सशक्तिकरण का माध्यम बना है। उनकी इसी सामाजिक प्रतिबद्धता और योग के प्रति समर्पित सेवा के लिए उन्हें विभिन्न मंचों पर सम्मानित किया गया, जो उनके कार्य की विशेष उपलब्धियों को दर्शाता है।

रजनी राजोरिया B.Sc., B.Ed, M.A. (Poli. Sc.)SLET

पत्नी श्री इन्द्र चन्द कुमावत, व्याख्याता राजकीय कॉलेज रजनी राजोरिया ने जीवन में शिक्षा को अपना ध्येय बनाया। वे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांगानेर, जयपुर में वरिष्ठ अध्यापिका हैं। इनके पति श्री इन्द्रचन्द कुमावत, राजकीय कॉलेज में व्याख्याता हैं। इनसे प्रेरित होकर इनकी अन्य 4 बहिनें आज पढ़-लिखकर सरकारी सेवा में हैं।

श्रीमती लक्ष्मी कुमावत, BA, MA, B. Ed

पत्नी श्री राजेन्द्र कुमावत (धुंधारिया) निवासी 54, हरिमार्ग, मानसिंहपुरा, टोंक रोड, जयपुर।

प्रोफेशन: शिक्षिका, (फ्रेंच भाषा) सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर, जयपुर।

लक्ष्मी कुमावत ने फ्रेंच भाषा को स्वयं सीखकर इसमें उत्कृष्टता प्राप्त करके दूसरों को भी सिखाने का बीड़ा उठाया। ये सुबोध पब्लिक स्कूल, एयरपोर्ट ब्रांच में फ्रेंच भाषा की शिक्षिका हैं। उनके कुशल मार्गदर्शन में कई विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर फ्रेंच ओलंपियाड में तीन बार पुरस्कार जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। अपनी प्रतिभा से इन्होंने ऑनलाइन शिक्षण में कदम बढ़ाए और जल्द ही उनकी कक्षाओं को कुवैत, UAE, दुबई सहित देश-विदेश तक पहचान मिली और वहां के विद्यार्थी इनसे ऑनलाइन फ्रेंच भाषा की शिक्षा ले रहे हैं। यह उनकी प्रतिभा, मेहनत, समर्पण और निष्ठा का ही परिणाम है कि वे अपने क्षेत्र में इतनी प्रसिद्धि प्राप्त कर चुकी हैं। ये समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

अस्सिटेंट कमांडेंट डॉ. हर्षिता बासनीवाल, M.B.B.S

पिता -श्री प्रमोद बासनीवाल तथा माता-श्रीमती रश्मि वर्मा

नारी शक्ति की प्रतीक देश सेवा और मानवीयता की भावना से युक्त एक विलक्षण और अनुकरणीय व्यक्तित्व की धनी हैं, डॉ. हर्षिता बासनीवाल, जो वर्तमान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) में अस्सिटेंट कमांडेंट के पद पर कार्यरत हैं। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण, सेवा और साहस का अद्वितीय संगम है।

प्रतिभाशाली डॉ हर्षिता को वर्ष 2016 "मिस मेडिकल कॉलेज" का खिताब भी मिला। इसके बाद उन्होंने कोविड महामारी के दौरान गवर्नमेंट हॉस्पिटल, (बनीपार्क) में कोविड कंसल्टेंट के रूप में सेवा दी। तत्पश्चात उन्होंने अपनी सेवाएं प्रतिष्ठित फोर्टिस अस्पताल में दीं।

चिकित्सा क्षेत्र में सफलता पाने के बाद उन्होंने अपने जीवन का नया अध्याय देश सेवा से जोड़ा और CRPF में अस्सिटेंट कमांडेंट बनकर राष्ट्र की सेवा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। महाकुम्भ प्रयागराज में इन्होंने अपनी सेवाएं देकर उच्च अधिकारियों की सराहना का पात्र बनी। वे न केवल सुरक्षा बल की अधिकारी हैं, बल्कि CRPF के परिवारों की स्वास्थ्य रक्षा में भी अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। उनका जीवन कुमावत समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है और देश के भविष्य के लिए आशा की किरण भी।

महिला फायरमैन मीनाक्षी अजमेरा

प्राय: फायरमैन के कार्य में हमने पुरुषों का वर्चस्व ही देखा है। इस चुनौती को मीनाक्षी अजमेरा ने स्वीकार किया और नगर निगम ग्रेटर, जयपुर में महिला फायरमैन बनी। चाहे कहीं आग लगे या अन्य कोई सेवा वे अपना कर्तव्य पूर्ण निष्ठा से निभाती रही हैं।

कोविड-19 के दौरान जहां सारी दुनिया सहमी हुई थी वहीं मीनाक्षी अजमेरा सेनेटाइजर का छिड़काव करके लोगों का जीवन बचाने में लगी रही।

मेजर उषा कुमावत, डबल एम.ए. (हिन्दी लिटरेचर)

पुत्री स्व. भुवन जी कुमावत (पचेरिया), निवासी फौजी सदन, 194, जमीदार कॉलोनी, मंदसौर (म.प्र.)

बचपन से ही उषा कुमावत ने देश सेवा की ठान ली थी। घर के हालात विपरीत रहे पर नियति ने बेटी व पति को छीन लिया। उषा कुमावत ने संघर्ष व त्याग की मिसाल देते हुए फिर से पढ़ाई की तथा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में वर्ष 1995 में ज्वाइन कर सरहद पर सेवाएं दी। ये सपोर्ट वेपन्स का कार्स करने वाली देशकी पहली महिला थी। परिजनों के कहने पर फिर से शादी की पर पति ने खुद व नौकरी में से एक को चुनने को कहा, तो उषा ने देश सेवा को चुना, तलाक ले लिया। CRPF में कांस्टेबल से हवलदार मेजर एतक बनी और पदोन्नति हो एएसआई बनी। किन्तु पिता ने अंत समय उसे बुला लिया तो वर्ष 2018 में सेवानिवृत्तत लेकर पिता के प्रति कर्तव्य को भी निभाया।

शेफ अरुणा वर्मा, M.A , Diploma in Hotel management

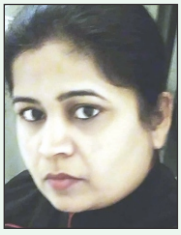

पुत्री स्वर्गीय श्री प्रभात चंद वर्मा - श्रीमती राज वर्मा

पत्नी-श्री तरुण पिपलोदिया पुत्र श्री सुरेंद्र कुमार वर्मा

ये **आनाज़ फूड कॉर्पोरेशन,** सोडाला, जयपुर की Owner हैं।

पाक कला में निपुण अरुणा इस क्षेत्र में कुछ बड़ा करना चाहती थी लेकिन घर की परिस्थितियां इसकी इजाजत नहीं देती थी। मास्टर शेफ सीजन-2 के ऑडिशन के समय वे बीमार थी। उन्होंने हॉस्पिटल के बेड से ही फॉर्म भर दिया। कुकिंग के सबसे बड़े शो में उनका चयन हो गया। ये COUNTRY INN (NOW RADDISON) Hotel में मुख्य शेफ के रूप में लगी। इसके पश्चात अरुणा ने PEPPER MENT, HOTEL SHAKUN, HOTEL SHAHPURA HERITAGE, GOLDEN TULIP और प्रतिष्ठित होटल SAROVAR PORTICO में भी अपनी सेवाएं शेफ के रूप में दी। नॉनवेज से परहेज़ कारण इन्होंने बेकरी आइटम बनाने में महारत हासिल की। आज अरुणा अपनी खुद की बेकरी आनाज़ फूड कॉर्पोरेशन के नाम से चलाती हैं और बड़े बड़े होटल्स एवं रेस्टोरेंट में बेकरी आइटम्स की सप्लाई करती है।

कुमावत समाज की बिजनैस वुमन अरुणा के संघर्ष, लगन और समर्पण को हमारा नमन।

शेष पृष्ठ 37 पर...

सी.एम.ओ. में कार्यरत **लालचन्द जी कुमावत** को उत्कृष्ट कार्य हेतु मुख्यमंत्री महोदय द्वारा योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

गिरधारी कुमावत जी को स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 पर जोबनेर उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट सुश्री नेहा राठी द्वारा उपखंड स्तर पर उत्कर्ष कार्य करने पर सम्मानित किया गया। बहुत-बहुत बधाई।

एडवोकेट महेंद्र जी सिरोठा (कुमावत) को टोंक जिला भारतीय जनता पार्टी का कोषाध्यक्ष बनाये जाने पर बहुत-बहुत बधाई।

हर्षिता कुमावत, ब्यावर को कक्षा 12 में 98.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 15 अगस्त 2025 को जिला प्रशासन ने सम्मानित किया। बधाई।

श्रीमती राजकुमारी कुमावत को 15 अगस्त को ब्यावर जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। बधाई।

15 अगस्त को कुमावत छात्रावास, कालवाड रोड, जयपुर में झण्डारोहण के वक्त समाजजन।

15 अगस्त 2025 को **डॉ सुदीप कुमावत** सहायक निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने जिला कलेक्टर जयपुर के निर्देशन में सतत विकास लक्ष्यों की प्रप्ति, केन्द्र व राज्य की योजनाओं के लाभ को आम जनता के लिए सुलभ कराने, प्रशासनिक मोनेटरिंग को सुदृढ़ करने और जन-कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य के लिए स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय अवार्ड से सम्मानित किया गया। हार्दिक बधाई एवं बहुत बहुत शुभकामनाएं ।

पन्नालाल कुमावत, सनवाड राजसमंद (वन विभाग राजसमंद) में रेस्क्यू टीम के साथ उत्कृष्ट कार्य हेतु वन विभाग राजसमंद के उपवन संरक्षक वन्य जीव राजसमंद D.F.O. द्वारा योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान पर सम्मानित किये जाने पर हार्दिक बधाई।

अतुल कुमावत पुत्र भगवान सहाय कुमावत का यूको बैंक में मैनेजर के पद पर चयन होने पर हार्दिक बधाई।

श्री गणेश-प्रथम पूज्य

नई शुरुआत, समृद्धि, बुद्धि और सफलता के देवता और जीवन से बाधाओं को दूर करने वाले भगवान के रूप में जाना जाता है। इनके **अन्य नाम है**-

गणपति, विनायक, गजानन, गणेश्वर, गौरीनंदन, गौरीपुत्र, श्री गणेश, गणधिपति, सिद्धिविनायक, अष्टविनायक, बुद्धिपति, शुभकर्ता, सुखकर्ता, विघ्नहर्ता, ?? महागणपति आदि।

मंत्र

ॐ वक्रतुंडाय विद्महे एकदंताय धिमहि तन्नो ददंती प्रचोद्यात्।

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः
निर्विघ्नं कुरु में देव सर्वे कार्येषुसर्वदाः।

इनके अस्त्र है- त्रिशूल, तलवार, अंकुश, पाश और परशु।

इनकी जीवनसाथी हैं-रिद्धि और सिद्धि है।

इनके **माता-पिता**- पार्वती व भगवान शिव है।

कार्तिकेय इनके **बड़े भाई है।**

इनकी **संतानों** में शुभ (बड़ा बेटा शुभता का प्रतीक), लाभ (छोटा बेटा लाभ का प्रतीक) है। इनकी सवारी मूषक (चूहा) है।

पुराणों में इनके 64 अवतारों का वर्णन है। सतयुग में कश्यप व अदिति के यहां महोत्कट विनायक नाम से जन्म लेकर देवांतक और नरांतक का वध किया। त्रेतायुग में उन्होंने उमा के गर्भ जन्म लिया और उनका नाम गुणेश रखा गया। सिंधु नामक दैत्य का विनाश करने के बाद वे मयुरेश्वर नाम से विख्यात हुए। द्वापर में माता पार्वती के यहां पुनः जन्म लिया और वे गणेश कहलाए। ऋषि पराशर ने उनका पालन पोषण किया और उन्होंने वेदव्यास के विनय करने पर सशर्त महाभारत लिखी।

गणेश जी का मस्तक : उन्हें गजानन इसलिए कहा गया कि उनके सिर को भगवान शंकर ने काट दिया था। बाद में उनके धड़ पर हाथी का सिर लगा कर उन्हें पुनः जीवित किया गया। यह भी कहा जाता है कि शनिदेव जब बाल गणेश को देखने गए तो उनकी दृष्टि से उनका मस्तक भस्म हो गया था बाद में विष्णुजी ने एक हाथी का सिर उनके धड़ पर लगाकर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया था।

अग्रपूजक कैसे बने गणेशः एक बार देवताओं में धरती की परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई जिसमें जो सबसे पहले परिक्रमा करके आ जाता उसे सर्वश्रेष्ठ माना जाता। प्रतियोगिता प्रारंभ हुई परंतु गणेश जी का वाहन तो मूषक था तब उन्होंने अपनी बुद्धि का प्रयोग किया और उन्होंने अपने माता-पिता शिव एवं पार्वती की ही परिक्रमा कर ली। ऐसा करके उन्होंने संपूर्ण ब्रह्माण्ड की ही परिक्रमा कर ली। तब सभी देवों की सर्वसम्मति और ब्रह्माजी की अनुशंसा से उन्हें अग्रपूजक माना गया। इसके पीछे और भी कथाएं हैं। पंच देवोपासना में भगवान गणपति मुख्य हैं।

गणेश शुभारंभ की बुद्धि देते हैं और काम को पूरा करने की शक्ति भी। वे बाधाएं मिटाकर अभय देते हैं और सही- गलत का भेद बताकर न्याय भी करते हैं। गणेश के इन रूपों में उनके प्रथम पूज्य होने का कारण छिपा है।

इनका प्रिय भोगः मोदक लड्डू, प्रिय पुष्प लाल रंग के फूल, प्रिय वस्तु दुर्वा (दूब), प्रिय वृक्ष शमी-पत्र, केल, केला आदि हैं। केसरिया चंदन, अक्षत, दूर्वा अर्पित कर कपूर जलाकर उनकी पूजा और आरती की जाती है। उनको मोदक का लड्डू अर्पित किया जाता है।

भगवान गणेश वास्तव में प्रकृति की शक्तियों का विराट रूप हैं। मुद्गल और गणेश पुराण में विघ्नहर्ता गणेशजी के 32 मंगलकारी रूप बताए गए हैं। इनमें वे बाल रूप में हैं, तो किशोरों वाली ऊर्जा भी उनमें मौजूद है। ब्रह्मा, विष्णु, महेश की शक्ति उनमें समाहित है, तो वे सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा का रूप भी हैं। वे पेड़, पौधे, फल, पुष्प के रूप में सारी प्रकृति खुद में समेटे हैं। वे योगी भी हैं और नर्तक भी।

नंजनगुड शिव मंदिर में गणेश के 32 रूप विराजित कर्नाटक में मैसूर के पास नंजनगुड शिव मंदिर में भगवान गणेश के सभी 32 रूप मौजूद हैं। मान्यता है कि भगवान के इस रूप की पूजा से तुरंत राहत मिलती है।

सिन्दूर - सिंधु नामक दैत्य का वध श्री गणेश जी ने किया था उसके शरीर के रक्त को उन्होंने अपने शरीर पर लेप की तरह लगाया तभी से गणेश को सिन्दूर चढ़ाया जाता है।

दूर्वा अथवा दूब - अनलासुर नामक दानव को निगलने के बाद श्री गणेश के पेट में बहुत जलन होने लगी। सभी उपचारों के बाद भी वे ठीक नहीं हुए जिसके बाद कश्यप मुनि ने उन्हें 21 गाठें बनाकर दूर्वा खाने को दी उसके बाद से ही गणेश जी ने दूर्वा को अपनी प्रिय वस्तु बना लिया।

- संकलन 'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम

श्रद्धांजली

18 अगस्त को समाधि का कार्यक्रम निर्भय आश्रम करणसर में 15 अगस्त को **स्वामी प्रहलाद गिरी जी महाराज** का स्वर्गवास हो गया। समाज ने एक महान व्यक्तित्व के धनी पुरुषोत्तम पुरुष को खो दिया है। सादर नमन एवं श्रद्धांजलि।

विज्ञान : विकास या विनाश

विज्ञान के विषय में कहा जाता है कि विकास तथा विनाश दोनों समानान्तर गति से चलते हैं। आदि काल से वर्तमान तक आते-आते विज्ञान इतना विकसित हो चुका है कि स्थिति यह है, आज मनुष्य स्वयं को ईश्वर के समकक्ष समझ बैठा है। आसमान में हवाई जहाज उड़ा बैठा, समुंद्र में सड़के बना बैठा यहाँ तक कि दूसरे लोक की भी सैर जीते जी ही कर बैठा। कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहाँ विज्ञान ने तकनीकी में कोई कसर छोड़ी हो। चाहे चिकित्सा की बात हो, शिक्षा की बात हो, निर्माण कार्य की बात या फिर डिजिटल नेटवर्किंग की बात हो, प्रत्येक क्षेत्र में तकनीकी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। प्रयोगशालाओं में नित नये आविष्कार हो रहे हैं। विकास करना अच्छी बात है। मगर जब यही विकास हमारे विनाश की वजह बन जाऐ तो स्थिति बहुत घातक हो जाती है। आज हमारे चारों ओर विपदाओं के तांडव हादसों का कहर बरपा रहे हैं। बात चाहे दुर्घटनाओं की हो या भूकम्प की चाहे बाढ़ की भू-स्खलन की या बादल फटने की मगर ये घटनाएँ दिनों-दिन क्यों बढ़ती जा रही हैं क्या आपने कभी इस विषय में सोचा है। दरअसल इन सब त्रासदियों के पीछे मनुष्य ही जिम्मेदार है। प्रकृति कभी किसी से खिलवाड़ नहीं करती मगर जब भी कभी प्रकृति से छेड़छाड़ की जाती है तो वो किसी को नहीं बख्शती। हिमाचल एवं उत्तराखण्ड में आऐ दिन भूस्खलन, पहाड़ खिसकने व बादल फटने की घटनाएं हो रही हैं। कारण क्या है कभी सोचा है आपने? ये कोई नयी बात नहीं है। इन स्थानों पर पहले भी बादल फटते थे क्योंकि ये स्थान समुद्र तल से अत्यधिक ऊंचाई पर होने के कारण यहाँ वायु का दबाव बढ़ जाने के कारण यहां बादल फटते हैं। मगर अब तबाही ज्यादा इसलिए होती है कि हम यह भूल गये है कि ये स्थान रहने के लायक है ही नहीं। पहले यहां रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ही कम थी और स्थानीय लोगों को यह पता होता था कि मकान बनाने की दृष्टि से कौनसी जगह की धरती उपयुक्त व सुरक्षित है। उन्हें यहाँ के रहन-सहन के तौर-तरीके भी पता होता है। वे स्वयं को वहां के वातावरण व जलवायु के अनुसार ढाल कर ही वहाँ जीवन-यापन करते है। वहां के स्थानीय लोगों को ऐसी परिस्थिति से निपटना भली भांति आता है तथा वे प्रकृति से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ किऐ बिना शान्ति से जीवन-यापन करते हैं। मगर आज पर्यटन इस कदर बढ़ गया है कि इन स्थानों पर लोगों की रेलमपेल मची रहती है। आज अनगिनत लोग भ्रमण के लिए केदारनाथ व हिमाचल जैसे स्थानों पर जाने लगे हैं। इस आवक को देखते हुए वहां असंख्य बड़ी-बड़ी इमारतें, होटलें तथा होली डे होम बन गये हैं। लोगों ने कमाई के लालच में कच्ची जमीन व पहाड़ों पर तथा नदी नालों के रास्ते में होटलें, रेस्तरां, गेस्ट हाउस व रिहायशी मकान बना लिए है। इन इमारतों को बनाने के लिऐ बारूद से ब्लास्ट करके पहाड़ों को तोड़ा जाता है तथा पेड़ों को काटकर समतल भूमि बनायी जाती है जिससे पहाड़ों के नीचे की भूमि की सतह कमजोर हो जाती है और जैसे ही बारिश आती है, पहाड़ अपनी जगहें छोड़ देते हैं। दुनिया भर के आवागमन के साधन जैसे कारें, बसें, मोटरसाइकिल व ट्रकों की आवाजाही से वहां प्रदूषण बढ़ रहा है जिससे इन क्षेत्रों के तापमान में अजीबोगरीब बदलाव आ रहे हैं। इसी प्रकार नदियों के रास्ते रोक कर लोगों ने यहाँ भी इमारतों का निर्माण कर लिया है। दरअसल कई नदियां लम्बे समय से पानी की आवक नहीं होने से सूख जाती हैं। वे समतल, रेतीली भूमि का रूप ले लेती है। मगर जैसे ही बरसात के दिनों में जल स्तर ज्यादा बढ़ता है, ये नदियाँ अपनी राह पर चल पड़ती है। उनकी राह में कुछ भी आए वो सब बहा ले जाती हैं। ये सब जानते हुऐ भी लोग ऐसे स्थानों पर मकान बना कर रहने लगते हैं। प्रशासन भी इन्हें रोक नहीं पाता। अब बताएँ विनाश का जिम्मेदार कौन है? आज हम समुद्र के अन्दर सड़क बना कर गौरवान्वित हो रहे है, जमीन जमीन के अन्दर रेल चलाकर अपने विकास पर फूले नहीं समा रहे हैं मगर यही टेक्नोलॉजी भविष्य में हमारे विनाश का कारण बनेगी, इसका हमें तनिक भी अंदाजा नहीं है। पाताल की सतह को हिलाने के बाद हम सोचते है कि भूकम्प क्यों आ रहे है? जब तक मनुष्य प्रकृति से छेड़छाड़ करना नहीं छोड़ेगा तब तक ये आपदाएं होती रहेंगी। यदि हम समय रहते नही चेते तो फिर विनाश को कोई नही रोक सकता ।

- उर्वशी बालोदिया

महेन्द्र कुसुम्बिवाल निर्विरोध अध्यक्ष, कोटा

कोटा/श्री कुमावत क्षत्रिय सभा संस्था कोटा के निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष महेन्द्र कुसुम्बीवाल का शपथ ग्रहण समारोह बोरखेडा स्थित सभा भवन में भव्यता के साथ आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा दिल्ली के कृषिमंत्री कमल मण्डेला दुगारी रहे उन्होने कुसुम्बीवाल को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। समारोह के विशिष्ट अतिथि सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा दिल्ली के इतिहास एवं शोध मंत्री गणेश माचीवाल रहे। अध्यषता भामाक्षाह भवानीराम राजोरिया ने की। इस मौके पर पूर्व अध्यक्षों में दशरथ सिन्धु, गजेन्द्र राहोरिया, ब्रज मोहन मांचीवान सहित चुनाव अधिकारी गोपाल लाल कारगवाल भी उपस्थित रहे। समारोह का संचालन नागेन्द्र नरानिया ने किया। समारोह में समाज के चन्द्र प्रकाश कांकर, लालचन्द्र भोरोदिया, लक्ष्मीनारायण मंडावरा, रामदयाल गमेरिया, भेरुलाल अनावडिया. प्रमेन्द्र माचीवाल, निरज बालोदिया सहित अनेकोनेक बन्धुओं की उपस्थिति सराहनीय रही।

नारी, अब समय है अपनी उड़ान का — आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ

नारी, तुम केवल एक संबंध नहीं, एक संपूर्ण संसार हो। तुम सुबह की पहली रोशनी हो, तुम दुआओं का असर हो, तुम जब मुस्कुराती हो, तो घर का कोना-कोना जीवंत हो उठता है। लेकिन अब समय आ गया है —

खुद के लिए भी कुछ करने का,
खुद को समझने और संवारने का।

आज की नारी समय के साथ चलना ही नहीं, बल्कि समय से आगे निकलना सीख चुकी है। फिर भी समाज के हर कोने में, हर वर्ग में ऐसी असंख्य महिलाएं हैं जो अपने सपनों, अपनी पहचान और अपने आत्मसम्मान को किसी न किसी मजबूरी के नाम पर कुचल रही हैं। कहीं परिवार की जिम्मेदारियाँ उन्हें पीछे खींचती हैं, कहीं सामाजिक बंधन उन्हें खुद पर भरोसा नहीं करने देते। पर सच्चाई यह है कि अगर कोई स्त्री ठान ले कि उसे अपनी राह बनानी है, तो वह पर्वतों को भी चीर सकती है और आंधियों से भी लड़ सकती है।

महिलाओं के जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि उन्हें खुद पर संदेह करना सिखाया गया है। उन्हें बचपन से कहा जाता है कि वह कमजोर हैं, वह केवल त्याग करने के लिए बनी हैं, और उनका जीवन केवल दूसरों के लिए जीने का नाम है। यही सोच उन्हें आगे बढ़ने से रोकती है। लेकिन यदि कोई महिला यह समझ ले कि वह केवल रिश्तों की परिभाषा नहीं है— वह केवल किसी की माँ, बेटी या पत्नी नहीं है, बल्कि एक पूर्ण व्यक्तित्व है, तो उसकी राह अपने आप बन जाती है।

हर महिला के भीतर एक अपार शक्ति है, जिसे वह अक्सर भूल जाती है। वह अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए जीती है, उनके लिए सोचती है, उनके लिए त्याग करती है। लेकिन यह जरूरी है कि वह एक पल ठहरे और खुद से पूछे— ''मैं कौन हूँ?'', ''मैं क्या चाहती हूँ?'' अगर इन सवालों का जवाब ढूंढ लिया जाए, तो वही जवाब उसकी यात्रा की शुरुआत बन सकता है। महिलाओं को यह समझना होगा कि खुद के लिए जीना स्वार्थ नहीं होता, बल्कि आत्मसम्मान होता है। अपने लिए समय निकालना, अपने फैसले खुद लेना, खुद की पसंद-नापसंद को अहमियत देना यह कोई बगावत नहीं, बल्कि इंसान होने का अधिकार है।

आज शिक्षा के क्षेत्र में, व्यवसाय में, राजनीति में और विज्ञान में महिलाएं कमाल कर रही हैं। लेकिन यह सफलता उन्हीं को मिल रही है जिन्होंने समाज के बनाए हुए डर, शर्म, और 'लोग क्या कहेंगे' जैसी बेड़ियों को तोड़ा है। महिलाएं अक्सर अपने सपनों को शादी, उम्र या बच्चों के नाम पर छोड़ देती हैं। लेकिन सच तो यह है कि जो महिला माँ बन सकती है, वही दुनिया भी बदल सकती है। बस उसे खुद पर विश्वास करना होगा। उसे समझना होगा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता केवल पैसे कमाने की बात नहीं है, यह आत्मसम्मान, निर्णय लेने की क्षमता और सुरक्षा की बात है। एक कमाने वाली महिला खुद को समाज की नज़रों में जवाबदेह नहीं, बल्कि सम्माननीय पाती है।

इस सफर में असफलता आ सकती है, लोग ताने मार सकते हैं, आलोचना हो सकती है — लेकिन इन सबको रास्ते का पत्थर मानकर अगर चलती रहें, तो मंजिल एक दिन ज़रूर मिलती है। और सबसे जरूरी बात यह है कि महिलाओं को एक-दूसरे की शक्ति बनना होगा, न कि आलोचक। अक्सर देखा गया है कि महिलाओं की राह में सबसे बड़ा अवरोध दूसरी महिलाएं बनती हैं। हमें इस सोच से बाहर आकर एक-दूसरे का सहारा बनना होगा। अगर एक महिला दूसरी महिला की सफलता को देखकर प्रेरित होने लगे, तो समाज में क्रांति अपने आप आ जाएगी।

महिलाओं को यह भी समझना होगा कि उनका शरीर, उनकी सोच, उनकी भावनाएं सब उनका अधिकार हैं। अपने शरीर से प्रेम करना, उसे सम्मान देना, उसकी देखभाल करना भी आत्मनिर्भरता की एक गूढ़ परिभाषा है। जिस दिन महिलाएं अपने शरीर और आत्मा दोनों को अपनाना सीख लेंगी, उसी दिन वे हर बंधन से मुक्त हो जाएंगी।

हर महिला को अपनी पहचान बनानी चाहिए — ऐसी पहचान जो उसके नाम से जानी जाए, न कि किसी रिश्ते से। उसे सीखना होगा कि सम्मान पाने के लिए उसे दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करना जरूरी नहीं, बल्कि खुद की उम्मीदों को जीना जरूरी है। उसकी यात्रा आसान नहीं होगी, लेकिन अगर उसने चलना शुरू कर दिया तो उसकी राह बनती जाएगी।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में कुछ सार्थक कदमः

ज्ञान ही असली सौंदर्य हैः-शिक्षा केवल डिग्री के लिए नहीं, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के लिए होनी चाहिए। उम्र चाहे जो हो, सीखने की कोई सीमा नहीं होती।

मोबाइल में फेसबुक के साथ थोड़ा YouTube और Google भी जोड़िए — जहाँ आप सिखा भी सकती हैं और सीख भी सकती हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता — आत्मसम्मान की कुंजीः

सिलाई, कढ़ाई, पेंटिंग, रसोई, गायन, लेखन—जो भी आपका हुनर है, उसे और उभारे। हर दिन का 30 मिनट अपने मन, शरीर और आत्मा के लिए रखिए।

नारी को समर्पित एक भावपूर्ण संदेशः

आपके भीतर सृष्टि को जन्म देने की शक्ति है —

क्या कोई भी सपना आपके लिए असंभव हो सकता है?

आप घर को सजाती हैं, अब अपने सपनों को भी आकार दीजिए।

आपके निर्णयों में समाज का भविष्य छिपा है —

इसलिए अब निर्णय स्वयं लीजिए, आत्मविश्वास से।

एक विनम्र आह्वान — मेरी हर माँ, बहन और बेटी के नाम हम मिलकर यह शपथ लें कि — हम अपनी बेटियों को रोकेंगे नहीं, उनके साथ चलेंगे।

हम अपनी माताओं को ये कहेंगे कि अब वह सिर्फ दूसरों के लिए नहीं, खुद के लिए भी सोचें। हम बहनों को ये विश्वास देंगे कि वे अकेली नहीं हैं, हम सब साथ हैं और सबसे महत्वपूर्ण — हम खुद को कभी कमतर नहीं समझेंगे।

अंत में यही कहना चाहूँगी कि महिलाओं को अब और रुकना नहीं है। उन्हें हर दिन खुद से वादा करना है कि वह खुद के लिए जिएँगी, खुद के लिए सोचेंगी और खुद को साबित करेंगी। ये समय अब नारी का है — न वह सहमी है, न झुकी है, अब वह उठ खड़ी हुई है। वह सिर्फ़ घर की दीवारों तक सीमित रहने वाली नहीं, अब वह आकाश छूने चली है।

आप भी उठिए, चलिए, अपने जीवन की कहानी को खुद लिखिए — क्योंकि आप भी उसी मिट्टी की बनी हैं जिससे इतिहास की नायिकाएँ बनी थीं। फर्क बस इतना है कि उन्होंने खुद को पहचाना, और अब आपकी बारी हैं।

एक कविता, हर नारी के सम्मान में:

तुम लोरी भी हो, और वीरता की कहानी भी,
तुम पानी की मिठास हो, और चट्टान सी निशानी भी।
तुममें तप है, संयम है, करुणा है, और संकल्प भी,
अब समय है कि तुम खुद को पहचानो –
अपने निर्णयों की दिशा खुद तय करो।
ये समाज तभी बदलेगा,
जब तुम खुद को केवल नारी नहीं –
बल्कि शक्ति का नाम समझोगी।

-सीमा कुमावत (मारवाल)

ढूंढिये वजह मुस्कराने की-8

मुस्कुराना हमारी खुशी, आनन्द एवं संतुष्टि को दर्शाता है। इससे हम आसपास के लोगों से जुडते हैं और सकारात्कता को फैलाते हैं। यह हमारा मूड अच्छा करता है साथ ही आसपास के लोगों को खुशी देता है। जब हम किसी खास के साथ होते हैं तो कुछ अच्छा होता है और चेहरे पर स्वत: मुस्कुराहट आ जाती है। मुस्कुराने का मजा तब बढ़ जाता है जब कोई हमारी खुशियों को समझता है और उन्हें साझा करने में आनन्द लेता है। यह एहसास हमारे रिश्तों में मजबूत बनाता है और यह जीवन में नये रंग भर देता है।

यदि हम ऐसे व्यक्ति से मिलें जो हमें समझता हो तो हम-

- समान विचारों, रुचियों और शोक को साझा कर पायेंगे।
- एक-दूसरे को समझकर और संवाद करके आपसी मंथन को मजबूत कर पायेंगे।
- अपने अनुभव और यादें साझा करके रिश्तों की डोर और मजबूत कर पायेंगे।
- कठिन समय आने पर एक-दूसरे का सहयोग एवं समर्थन कर पायेंगे।

इससे भावात्मक और मानसिक जुड़ाव बढ़ेगा और समस्याओं का समाधान करना आसान होगा। मुस्कुराहट हमें दूसरो से अलग दिखाने का बेहतरीन तरीका है। यह हमारे शरीर और मन को और अच्छे से काम करने में मदद करता है। मुस्कुराना जीने के मजेदार तरीकों में से एक है। अपने स्वास्थ्य, तनाव के स्तर और आकर्षण को बेहतर बनाने के लिए मुस्कुराइये। जानने का प्रयास करें कि आपको क्या अच्छा लगता है, इसके लिए समय निकालिये। यदि आपको कोई पीड़ा या दर्द है, तो मुस्कुराहट उसे कम कर देती है। हमारे रक्तचाप और चिंताओं को थोड़ी सी मुस्कुराहट ही नियंत्रित कर देती है।

मुस्कुराने के लिए पहले एक लम्बी व गहरी सांस ले इससे चेहरे की मसल्स रिलेक्स होगी। आंखों को तेजी से बंद कर लें और फिर खोले, यह मुढकुराने में मदद करेगी। सुबह उठे तो एक स्माइल के साथ। किसी व्यक्ति से मिलें तो उसका अभिवादन मुस्कुराहट के साथ करें। ये सभी उपाय आपके आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व निखार में अवश्य ही बढ़ोतरी करेंगे। इससे आप सभी के पसंदीदा व्यक्ति बन सकेंगे।

- अमिता कुमावत

भूल सुधार

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के जून-2025 के अंक में पेज संख्या 11 पर बरकत नगर की न्यूज में 'नरेन्द्र कुमार मारवाल' का नाम 'नरेन्द्र कुमार गुड़ीवाल' पढ़ा जाए। **-सम्पादक**

सूचना

इस विशेषांक में समाज की प्रतिभावान महिलाओं से प्राप्त विवरण प्रकाशित किया गया है। यदि किसी का विवरण भूलवश रह गया हो या कोई और प्रतिभावान महिला अपना विवरण देना चाहती हो तो कृपया पत्रिका को भिजवाएं। उन्हें आगामी अंकों में प्रकाशित किया जा सकता है। **-सम्पादक**

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

21 जून श्री जीतेन्द्र कुमावत (खटोड़), वैशाली नगर, जयपुर
21 जून श्री भूपेन्द्र कुमावत (होदकास्या), गोपालबाड़ी, जयपुर
21 जून श्री मुकेश कुमावत (कुदीवाल), आनन्द नगर, लोहा मण्डी, जयपुर
22 जून श्री कमल देवत, कालवाड़ रोड, जयपुर
25 जून श्री मोहन लाल कुमावत (दम्बीवाल), केसर चौराहा, इस्कॉन रोड, मानसरोवर, जयपुर
29 जून श्री मुकेश कुमावत किरोड़ीवाल, प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान रोडवेज, जयपुर
30 जून श्रीमती शायर देवी नागौरा, भीलवाड़ा
30 जून श्रीमती भौंरी देवी बबेरीवाल, ढाणी कुमावतान, डिग्गी रोड, सांगानेर
1 जुलाई श्री कन्हैयालाल कुमावत, से.नि. आर.एस.एम.एम.,बुवाणा, उदयपुर
1 जुलाई श्री कैलाश चन्द जलान्धरा, जयपुर
1 जुलाई श्री हजारी लाल कुमावत (मामोड़िया), सुनील मोटर गैरेज, जयपुर
2 जुलाई श्रीमती मुरली देवी बड़मुण्डा, श्री माधोपुर
2 जुलाई श्री गोपाल जी कुद्दीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
5 जुलाई श्री बाबूलाल जी कुमावत (छाबल्या), ढाणी कुमावत, डिग्गी रोड, सांगानेर
6 जुलाई श्रीमती रत्ना देवी दम्बीवाल, गोकुलपुरा, जयपुर
7 जुलाई श्री इन्द्र कुमार तांगड़ा, झोटवाड़ा, जयपुर
7 जुलाई श्री प्रभुलाल कुमावत मदनगंज-किशनगढ़
8 जुलाई श्री भंवरलाल कुमावत, पूर्व पालिका अध्यक्ष बिजयनगर
11 जुलाई श्री उमेश कुमावत (लुहानी वाल) 22 गोदाम, जयपुर
11 जुलाई श्री नरेन्द्र वर्मा एडवोकेट, रमेश मार्ग सी-स्कीम, जयपुर
13 जुलाई श्री नवरत्न कुमावत (खोवाल), डीसीएम, अजमेर रोड
15 जुलाई श्रीमती नन्दू देवी राजोरिया (104 वर्षीया), ब्यावर
21 जुलाई श्री रामगोपाल कुमावत (सिरस्वा) काला डेरा
22 जुलाई श्रीमती संतोष देवी बबेरीवाल, हाथोज
29 जुलाई श्री सुमित कुमार वर्मा, सहायक अभियन्ता, खेतड़ी
31 जुलाई श्री लादूराम बड़ीवाल, काचरोदा, फुलेरा
1 अगस्त श्री कैलाश चन्द मारवाल कपूरावाला
3 अगस्त श्रीमती मेनका देवी भौरोदिया, जनकपुरी, ईमलीफाटक, जयपुर
4 अगस्त श्रीमती गंगा देवी मारोठिया, भांकरोटा, जयपुर
7 अगस्त श्रीमती प्रेम देवी मणेठिया, निवाई, टोंक
9 अगस्त श्रीमती शशिकान्ता कुण्डलवाल, जयपुर
11 अगस्त श्रीमती लक्ष्मीनारायण होदकास्या, कल्याण कॉलोनी, टोंक फाटक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
जय	BAMS	-	23.9.96	6'0''	देवतवाल	मंडावरा	गैदर	घोडेला	9413232761	जयपुर
नितिन	Hotel management	Assi. Proffesor	29.8.98	5'11''	धुंधारिया	सिरस्वा	गैदर	देवतवाल	6377446360	जयपुर
संदीप(मांगलिक)	B.Tech.(EE)	JEr. (JVVNL)	23.7.97	5'8''	खोवाल	तूंदवाल	मारवाल	दिलीवाल	9680416206	जयपुर
कुशल	B.Com.,LLB.	Sanganer Court	18.9.95	5'6''	बधानिया	मामोडिया	बालोदिया	सिरोहिया	9694929148	जयपुर
प्रशान्त	MBA संगीत विशारद	Music Classes	12.4.87	5'9''	अजमेरा	निमीवाल	भोरोदिया	किरोड़ीवाल	9829447772	जयपुर
गोविन्द	B.A.	Department Store	6.4.98	5'5''	खोडिया	जलान्दरा	मोरवाल	मारवाल	9784361751	चौमूं
प्रणव	B.Tech. (Civil)	Faculty of Chemistry	8.11.96	6'0''	बेडवाल	मारवाल	तूंदवाल	खटोड	9352812563	सीकर
पुनित	C.A.	Manager Abu Dhabi (UAE)	30.2.91	5'11''	राजोरिया	शिवदासानी	तूंदवाल	–	9462031087	जयपुर
कुलदीप	B. Sc. (Nursing)	Senior Nursing officer	1.8.92	5'8''	निमीवाल	नरानिया	पीपलोदा	मारोठिया	9460755083	कुचामन
उत्कर्ष	B.Tech. (CSE)	Developer Pvt. Ltd.	26.7.2000	5'11''	गैदर	जालवाल	अनावडिया	नीमीवाल	9983313564	जयपुर
तेजपाल	M.Tech. (Machine Deging)	Pvt.Ltd.	10.3.97	5'8''	मारवाल	धुंधारिया	आईथान	जलान्दरा	9784912016	जयपुर
अनिल	M.Com.	Manager Equitas Bank	8.10.94	5'8''	मारोठिया	कुद्दीवाल	भारोदिया	दम्बीवाल	8239420074	जयपुर
सचिन	B.Sc. Nursing, D Pharma	Govt. Health Officer	19.2.92	5'9''	दम्बीवाल	मारवाल	आशीवाल	धमुनिया	9929125888	जयपुर
विक्रम	B.A.	Graphic Designer P. Co.	20.11.96	5'8''	धमुनिया	दौराया	चिंचोलिया	सिरोहिया	9667641899	जयपुर
सुनील	B.A., LLB	Advocate Highcourt	10.11.90	5'4''	ब्याडवाल	खोवाल	कारगवाल	खटवाल	9314557117	जयपुर
अमित	B.Tech. (CS)	Pvt. Service	10.1.2001	5'8''	खोरानिया	धुंधारिया	कुद्दीवाल	मोरवाल	8952819888	मुम्बई
दीपक	B.Sc., B.Ed.	Store keeper in Rly.	26 वर्ष	5'7''	बबेरीवाल	मारोठिया	सोकिल	घोड़ेला	9214716351	जयपुर
योगेन्द्र	B.Arch.	Pvt.	22.5.97	5'8''	तूनवाल	घोड़ेला	किरोड़ीवाल	बेडेवाल	9636028422	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
निकिता	M.Com.B.Ed.	--	1.6.97	5'3''	देवतवाल	मामोडिया	अनावड़िया	मरोडिया	9828407048	जयपुर
दुर्गेश	B.Tech.(IT)	Policy bazar Execu.	1.12.94	5'2''	करोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
नन्शी	B.Com. Interor Desig.	Interor Designor	14.2.2001	5'3''	भोड़ीवाल	कारगवाल	किरोड़ीवाल	मनेठिया	9887876723	जयपुर
रजनी	B.Sc. B.Ed. CTET, RTET	--	18.7.97	5'3''	सिरोडिया	जलान्दरा	जेठीवाल	घोड़ेला	9950603773	बहरोड़
भागवती	B.Com.	Senior Assi(Mumbai)	30.6.96	5'5''	देवतवाल	जलान्दरा	आईथान	आशीवाल	9920236215	थाने
कोमल	M.A.	--	25.11.2002	5'0''	कैक्टया	घोड़ेला	खंडारिया	खोरानिया	9660569616	जयपुर
ज्योति	M.Com.	--	6.6.98	5'3''	दम्बीवाल	बारावाल	पड़लाया	मामोडिया	9024242402	चौमूं
ज्योति	MBA in finance	MNC, Jaipur	12.7.95	5'3''	मारवाल	जलान्दरा	कुदीवाल	किरोड़ीवाल	9829059853	जयपुर
तनीषा	MBA	Sr. Content Writer	3.9.2000	5'5''	खडगटा	धीरपुरिया	खोरानिया	तूंदवाल	9829018178	जयपुर
पूजा	M.Com., B.Ed., MBA	Pvt. Job.	31.7.96	5'4''	मामोड़िया	सिरस्वा	मारोठिया	घोड़ेला	9829474302	जयपुर
तनु	M.Com.	Accountant	24.4.97	-	मामोड़िया	घोड़ेला	खूंखवाल	ईयाणी	9460724371	जयपुर
उर्वशी	B.A., B.Ed.	Private Teacher	9.9.2001	5'5''	तांगडा	देवतवाल	राहोरिया	बबेरीवाल	9828163880	जोधपुर
लतीका	M.Com., LLB, CS	Pvt.	30.5.93	5'3''	होदकास्या	भोरोदिया	खोरानिया	सारड़ीवाल	8290026827	जयपुर
दीपिका	MS (Eco.) IIT Kanpur	Data Analytics HSBC Bank	2.9.94	5'4''	ब्याड़वाल	कारगवाल	गुजरी	बावली	9950660054	सीकर
प्रियंका	MA, M.Com(ABST)	Assistant pforfecor	9.6.98	5'4''	पारमवाल	सिरस्वा	घोड़ेला	मारवाल	9829970103	किशनगढ़
चेतना	M.A. Diploma in Architect	Pvt.	19.7.97	5'1''	दौराया	उदयवाल	खोवाल	सारड़ीवाल	8290095974	जयपुर
पूजा	M.Tech.,IIT	Ph.D. Final year	25.3.94	5'8''	आशीवाल	छापोला	आईथान	भोरोदिया	9828438388	जयपुर
अंजली(मांगलिक)	MA, ITI	NGO	31.10.96	5'3''	कोलूगरिया	बासनीवाल	बारावाल	बधानिया	7726999953	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mailÑkumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/30 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

जादूगर आंचल कुमावत, MA (साइकोलोजी)

मूल रूप से बाजोर (सीकर) निवासी हाल उदयपुर। पुत्री श्री गिरधारी कुमावत।

आंचल ने 3 साल की उम्र में प्रॉप्स के साथ खेलते हुए जादू सीखना शुरू किया और पौने पांच साल की उम्र में अपना पहला मैजिक शो विद्यालय के वार्षिकोत्सव में किया।

26 जनवरी 2001 से आंचल ने **व्यावसायिक शो की शुरूआत की जो अब तक अनवरत जारी है।** आज **विश्व की सबसे कम उम्र की प्रोफेशनल जादूगर है।**

पुरस्कार और उपलब्धियां

n 27 साल की उम्र में भारत के 16 राज्यों और दुनिया के 7 देशों में 12500 से अधिक स्टेज शो देने वाली जादूगर है। n 2004 में भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित n 23 नवंबर 2014 को हरिद्वार में 100 ताले और 100 फीट की स्टील चेन का उपयोग करते हुए 'द ग्रेट फायर एस्केप एक्ट' (एडवेंचर विद फायर) के सफल प्रदर्शन के लिए 2016 की **'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में नाम दर्ज** n 2012 में हैदराबाद में ईटीवी तेलुगु चैनल के अल्टीमेट टैलेंट शो 'अधूर्ष-2' और ईटीवी कन्नड़ चैनल के मल्टी टैलेंटेड शो 'सुपर - 2' की विजेता बनने पर **'चैंपियन ऑफ चैंपियंस'** के खिताब के साथ '10 लाख रुपए' का नकद पुरस्कार जीता n 2011 में **'इंडियाज गॉट टैलेंट-3'** की क्वार्टर फाइनलिस्ट n भारत के 200 से अधिक शहरों में आंखों पर पट्टी बांधकर कार चलाना। 'अंतर्राष्ट्रीय महिला सशक्तीकरण-2017' सम्मान n जादू के माध्यम से समाज में नशामुक्ति पर काम करने के लिए 15 अगस्त 2000 को 7 वर्ष की उम्र में जिला कलेक्टर, उदयपुर द्वारा सम्मानित n जादू के माध्यम से समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाने के लिए 2015 में प्लेटिनम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज एवं राजस्थान पत्रिका, उदयपुर द्वारा 'शक्ति -2015' सम्मान n आर्ट कैटेगरी में 'दैनिक भास्कर वुमन ऑफ़ द ईयर-2017' की स्टेट विनर, राजस्थान की तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया द्वारा सम्मानित n 2017 में मलेशिया एवं सिंगापुर में आयोजित एशियाज गॉट टैलेंट में पार्टीसिपेट करने का मौका मिला।

आंचल के शो के मुख्य आकर्षण

n जेट इंजन के 13 फीट ऊंचे चलते हुए पंखे में से आर-पार निकलकर गायब होना n विशाल डायमंड कटर से अपने ही शरीर के 2 टुकड़े करना n अमेरिका की 'स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी' को फुल लाइट में गायब करना n हवा में तैरती हुई भारत माता ।

संदेश

आंचल कुमावत ने अपने शो के माध्यम से मतदान जागृति, पर्यावरण सुधार, यातायात नियमों का पालन, बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओं एवं स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं के लिए लगातार संदेश देकर जनजागृति लाने का प्रयास किया है।

डॉ. गरिमा कुमावत

डॉ. गरिमा कुमावत स्कूल ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी, डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज (SISDSS) में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने जोधपुर के सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, सिक्योरिटी एंड क्रिमिनल जस्टिस के अंतर्राष्ट्रीय मामलों और सुरक्षा अध्ययन विभाग से समुद्री सुरक्षा में पीएचडी पूरी की है। वह भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) की डॉक्टरेट फेलो हैं और उन्हें वर्ष 2021 में ICSSR की पूर्ण-अवधि की डॉक्टरेट फेलोशिप मिली है। उन्होंने राजनीति विज्ञान, रक्षा और सामरिक अध्ययन और लोक प्रशासन जैसे 3 विषयों में GC-NET उत्तीर्ण किया है। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की है।

वह जसोल डायलॉग में विदेश नीति पहल की निदेशक के रूप में काम कर रही थीं। उन्होंने ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली में रिसर्च इंटर्न के रूप में भी काम किया। उनके शोध के क्षेत्र भारत की समुद्री सुरक्षा, इंडो-पैसिफिक अध्ययन, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति और विश्व राजनीति हैं।

रेखा कुमावत, 12th

इन्टरनेशनल मेकअप आर्टिस्ट जयपुर में प्रताप नगर की निवासी हैं तथा अन्तर्राष्ट्रीय मेकअप आर्टिस्ट हैं। ये वेस्टन लुक मेकअप, लाईट मेकअप, प्रोमिसिंग मेकअप और वाइल्ड मेकअप कैटेगरी की उम्दा आर्टिस्ट हैं। आपने भारत के कई शहरों में तथा थाईलैण्ड, दुबई आदि देशों में ब्यूटीशियन के रूप में भाग लेकर अनेक खिताब अर्जित किए हैं तथा ब्यूटी प्रतियोगिताओं में ज्यूरी की सदस्य रही हैं।

श्रीमती भगवती कुमावत

पत्नी श्री हरि शंकर कुमावत (खण्डारिया) से.नि. संयुक्त आयुक्त स्टेट टैक्स। ये उदयपुर निवासी हैं तथा स्नातक स्तर तक शिक्षित हैं।

इन्होंने भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा नगर शाखा उदयपुर में उपाध्यक्ष रहते हुए महिला प्रकोष्ठ का गठन किया, भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा में राष्ट्रीय सहायक कोषाध्यक्ष रही।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर रही। वर्तमान में भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा में राष्ट्रीय प्रतिनिधि साथ ही पोस्ट ऑफिस, SAS, PPF, महिला प्रधान अभिकर्ता National insurance Company जनरल इंश्योरेंस एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस / भारतीय जीवन बीमा निगम में एजेंट का काम तथा आई एन जी वैश्य लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में सहायक मैनेजर के पद पर कार्य किया है। ये महिला सशक्तिकरण के लिए लम्बे समय से कार्यरत हैं।

शिमला कुमावत

राजस्थान सरकार के क्रियाकलापों एवं कार्यविधियों को घर-घर पहुंचाने वाली समाज सेविका श्रीमती शिमला कुमावत बाल अधिकारिता विभाग में जयपुर जिला बाल संरक्षण समिति की सदस्या रह चुकी है। इस विभाग में बालकों के प्रकरण की जांच, सुनवाई और निपटान का कार्य किया जाता है। विदित रहे कि कुमावत गत कई वर्षों से स्वयं के विद्यालयों के बच्चों पर कई प्रकार से रिसर्च कर चुकी हैं, जिससे उन बालकों की हर एक्टिविटी को मद्देनजर रखते हुए बच्चों के संरक्षण में महारथ हासिल है। शिमला कुमावत समय-समय पर बच्चों की काउंसलिंग भी करती है, जिससे अबोध बालक अपने संरक्षण व एक अच्छा नागरिक बनकर समाज का चेहरा बन जाता है।

श्रीमती पूनम कुमावत B.Sc., MA, DLL, LLB,

श्रीमती पूनम कुमावत ने B.Sc. उदयपुर से की है। इनका विवाह सांगानेर, जयपुर में श्री अजय अजमेरा (कुमावत) से हुआ। विवाह उपरांत आपने राज. विश्वविद्यालय से MA एवं LLB तथा वर्धमान विश्वविद्यालय, कोटा से डिप्लोमा इन लेबर लॉ (DLL) किया है। इन्होंने गणपति स्टोन इण्डस्ट्रीज की स्थापना करके स्टोन आर्टिकल्स बनाने का कार्य किया है। आपको स्टोन मार्ट, 2017 में **Best Display Award,** लघु उद्योग भारती से 2016 **'महिला उद्यम अवार्ड'** व एम्पलाई एसोसिएशन से 2018 में **'महिला उद्यमी अवार्ड'** से नवाजा गया है।

इन्होंने एक स्टार्टअप प्रारम्भ करके रोजगार सर्जन का कार्य किया है। ये अनेक सामाजिक संगठनों से जुड़ी हुई हैं जिनमें कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा सांगानेर, जयपुर कुमावत समाज की उपाध्यक्ष हैं।

विमला देवी कुमावत

विपरीत परिस्थिति से गुजरते हुए भी समाज सुधारने के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोग बहुत कम होते हैं। इन्हीं में से एक है जयपुर की विमला देवी (दादी मां)। विमला देवी गरीब, कुपोषित, कचरा बीनने वाले बच्चों को अनेक वर्षों से नि:शुल्क पढ़ाने के साथ उनके रहने-खाने की व्यवस्था भी स्वयं के प्रयासों से कर रही है।

जयपुर महानगर टाइम्स ने 25वें रजत महोत्सव में विमला देवी (दादी मां) को 'राष्ट्रीय सेवा सम्मान' से सम्मानित किया। दादी मां के आवासीय स्कूल में 37 बच्चे हैं। इनके यहां से निकले कई बच्चें आज सरकारी सेवा में कार्यरत हैं तथा कई उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्यनरत हैं। इन्होंने 65 वर्ष की उम्र में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर दिखा दिया है कि पढ़ाई में बड़ी उम्र बाधक नहीं है। साथ ही सेवा करने का जज्बा हो तो कम शिक्षित होना और अल्प साधनों से भी ऐसा किया जा सकता है।

अशोका देवी कुमावत पत्नी श्री वरदी चन्द झालवाल

श्रीमती अशोक देवी कुमावत निवासी गांव बिनोता तहसील निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़ ने बीए और एम.ए. किया है। ये वर्ष 1993 में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की कार्यकर्ता बनी तथा शीघ्र ही ब्लॉक अध्यक्ष, महिला जिला उपाध्यक्ष निम्बाहेड़ा, पंचायत समिति सदस्य, जल स्वास्थ्य न्याय विभाग अध्यक्ष बनी वर्तमान में ये महिला ब्लॉक अध्यक्ष तथा सरस्वती महिला घर बचत सहकारी समिति लिमिटेड बिनोता की अध्यक्ष हैं। समाज को ऐसी सामाजिक व राजनैतिक की जरूरत है।

श्रीमती पूजा कुमावत

पत्नी श्री गौरव गोठवाल, बुहाना, उदयपुर की श्रीमती पूजा कुमावत की शैक्षणिक योग्यता बी.कॉम, एम.कॉम (बिजनेस), एम.कॉम (अकाउन्ट्स) से किया है। ये वर्तमान में लेखाधिकारी (राजस्थान अकाउन्ट्स सर्विसेज) के पद पर कार्यरत हैं। इससे पूर्व ये पटवारी तथा रैवेन्यू इंस्पेक्टर के रूप में कार्य कर चुकी है।

रेणु कुमावत एम.ए. (इकोनॉमिक्स)

पत्नी सुरेश कुमावत (कारगवाल)

निवासी ग्राम-कुंदनपुरा(पहाड़िया), माधोराजपुरा, जयपुर, हाल निवासी F-32,पार्श्वनाथ नारायण सिटी,केशर चौराहे के पास, मानसरोवर विस्तार, जयपुर।

ये राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल कादेड़ा, चाकसू, जिला- जयपुर में व्याख्याता (ग्रेड -I) के पद पर कार्यरत हैं।

शोभिका कुमावत, MA, न्यूमरोलोजिस्ट (अंक ज्योतिष), टैरो कार्ड रीडर, रेकी हीलर, एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ

पत्नी श्री मनीष कुमावत खण्डारिया निवासी पटैल कॉलोनी, गवर्नमेंट प्रेस के सामने, सी-स्कीम, जयपुर

शोभिका कुमावत प्रारम्भ से ही क्रियेटिव एक्टीविटीज में संलग्न रही हैं। विवाह उपरांत परिवार की जिम्मेदारियों को बखूबी सम्भाला। 35 वर्ष की उम्र बाद फिर से कुछ नया व हटकर करने की ठान ली। परिवार से भी प्रोत्साहन मिला और न्यूमरोलोजी (अंक ज्योतिष), टैरो कार्ड रीडिंग, रेकी हीलिंग एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा के कोर्स किए एवं इनमें दक्षता हासिल की। इन्हें इस क्षेत्र का 3 वर्ष का अनुभव है।

ये रेकी हीलिंग एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा के द्वारा लोगों की शारीरिक एवं मानसिक तकलीफों को दूर करती हैं। इनकी विशिष्ठ सलाह से अनेक लोग जीवन में सही लक्ष्य चुनने में सक्ष्म बने तथा उनके जीवन में सुधार लाने हेतु इन्होंने सही राह दिखायी। आज इनके संतुष्ट क्लाइंट्स की सूची लम्बी है। इनका एक यू-टयूब चैनल भी है। इनकी सेवाओं के लिए मो. 9549836346 पर किया जा सकता है।

श्रीमती पूनम कुमावत

पत्नी श्री शंकर लाल कुमावत निवासी कुमावत कॉलोनी, खातीपुरा रोड, जयपुर

इनकी पहचान समाज सेविका के रूप में हैं, ये सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा में महिला मोर्चा की अध्यक्षा रह चुकी हैं। इनकी गायन, लेखन, नृत्य व कविता में रुचि है। पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्व. वैद्य कन्हैयालाल मिश्र स्मृति आयुर्वेद संस्थान से 2016 एवं महिला काव्य मंच से सम्मानित हैं। इनकी कविताएं ''अपनी जमी अपना आसमां'' एवं काव्य नर्झर में प्रकाशित हुई हैं।

पूजा वर्मा, B.Tech (Civil)

पुत्री बाबूलाल वर्मा (जालवाल)

निवासी 87 जयशंकर कॉलोनी, न्यू सांगानेर रोड, मान्यवास, मानसरोवर जयपुर राजस्थान

ये आरएएस एलाइड 2013 बैच से चयनित होकर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गोविंदगढ़ जयपुर के पद पर अपनी सेवाएं दे रही हैं।

डॉ. सरिता कुमावत, Ph.D., NET(JRF), M.A.

पत्नी डॉ. गोपाल लाल कुमावत (असिस्टेंट प्रोफेसर, कॉलेज शिक्षा राजस्थान) तथा पुत्री श्री हनुमान लाल कुमावत (सेवानिवृत अध्यापक)

निवास तिवारी वाली ढाणी, ग्राम निवाणा, तहसील चौमूं, जिला जयपुर

डॉ. सरिता कुमावत वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा विभाग राजस्थान में प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान के पद पर कार्यरत हैं। इन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के राजनीति विज्ञान विभाग से ''भारतीय उपमहाद्वीप में अमेरिका की भू-राजनीति : 21 वीं सदी के परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन'' विषय पर डॉक्टर ऑफ फिलोसॉफी की उपाधि प्राप्त की है। डॉ. कुमावत ने अनेक अंतराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के जर्नल्स, कॉन्फ्रेंस और सेमिनार में अपना शोध पत्र प्रकाशित किया है। इन्होंने नेट (जेआरएफ) परीक्षा में ऑल इंडिया स्तर पर उच्च रैंक हासिल की है।

वेदिका बालोदिया, बी.आर्क (तृतीय वर्ष का छात्र, एनआईटी पटना)

पुत्री विजेंद्र बालोदिया, निवासी एच - 19 राम नगर एक्सटेंशन, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर

मेघना कुमावत (मारवाल), MA, LLB

पत्नी श्री दिलीप वर्मा, निवासी बी-1, हवा सड़क, सिविल लाइंस, जयपुर

मेघना कुमावत बहुमुखी प्रतिभा की धनी है, ये - 1. दूरदर्शन के कृषि दर्शन कार्यक्रम में एंकर रही व राजस्थान के तत्कालीन कृषि मंत्री श्री प्रभुलाल सैनी का इंटरव्यू लिया। दूरदर्शन का कार्यक्रम (क़ानून की बात) में भी एंकर का कार्य किया।

2. वर्ष 2021 से हाईकोर्ट में कार्यरत वक़ील है।

3.वर्ष 2022 से सिविल लाइन्स मंडल महिला मोर्चा BJP की उपाध्यक्ष है।

4. 2024 से सरकारी स्कूल सी स्कीम बालिका सेकेंडरी विद्यालय में SDMC के अंतर्गत विधायक प्रतिनिधि है।

5. नगर निगम हेरिटेज में महिला व बाल विकास समिति का सदस्या है। इसके अलावा इनके लेख 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित होते रहे हैं।

विजय लक्ष्मी कुमावत

पत्नी स्व. श्री वासुदेव जी सलवाड़िया

निवासी उदयपुर तथा कक्षा 12 तक शिक्षित हैं।

ये वर्ष 1990 से भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता हैं तथा वार्ड मंत्री, महिला मोर्चा, वार्ड अध्यक्ष, महिला मोर्चा मंडल, महामंत्री कुमावत मातृशक्ति, अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, जिला मंत्री भारतीय जनता पार्टी सहवृत पार्षद (दो बार)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला महामंत्री रहीं हैं तथा वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष हैं। ये कुमावत समाज, उदयपुर का एक जाना पहचाना राजनैतिक चेहरा हैं।

श्रीमती नर्बदा देवी ईठारा

पत्नी स्व. श्री रूप सिंह, निवासी 23, कुमावत वाटिका, सविना, उदयपुर

ये 40 वर्ष पूर्व कुमावत समाज उदयपुर की पहली तथा निर्विरोध चुनी गई महिला अध्यक्ष हैं। अपने कार्यकाल में सामाजिक सुधार में अग्रणीय रही हैं। इसलिए 35 वर्षों से कुमावत समाज महिला आर्थिक समिति का संचालन कर रही हैं जिसमें ऋण वितरण व मासिक किश्तों का संरक्षण होता है इसमें 225 सदस्य हैं। इयके अलावा हिन्दू धार्मिक व सामाजिक त्योहारों को मनाने में इनका विशेष योगदान रहा है।

श्रीमती भारती वर्मा Double M.A., B.Ed.

पत्नी श्री रमेश वर्मा निवासी 60, जय जवानी कॉलोनी द्वितीय, टोंक रोड, जयपुर

आपने 1996 से 2023 तक सरकारी अध्यापक के रूप में सेवा दी। आपकी प्रथम नियुक्ति सितम्बर, 1996 में राजकीय प्राथमिक विद्यालय बल्लूपुरा (बाड़ पदमपुरा), जयपुर में हुई थी। तभी से आपने बच्चों के लिए सहयोग से स्कूल ड्रेस, बैग, कॉपी, पेन पेंसिल उपलब्ध करवाती रही हैं। 2023 के बाद समाज के विभिन्न संस्थाओं से जुड़कर समाज सेवा कार्य कर रही हैं। आप मालवीय नगर कुमावत क्षत्रिय विकास समिति की अध्यक्ष व सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा में राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री हैं। कुमावत इंडिया पत्रिका की सचिव हैं। **वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी में ओबीसी प्रकोष्ठ में प्रदेश महासचिव के पद पर कार्यरत हैं।** आपने इस पद पर रहते हुए पक्षियों के लिए सवाईमाधोपुर, चौथ का बरवाड़ा, टोंक, निवाई, चौमूं, सीकर, फागी चाकसू आदि जगहों पर परिंडे एवं पेड़ पौधे लगाए। आप एक अच्छी एंकर भी हैं।

श्रीमती विजय लक्ष्मी

पत्नी श्री विजेन्द्र नागा निवासी सिवाड़ एरिया बापू नगर, जयपुर। आप एडवोकेट हैं तथा भाजपा की पिछले कई वर्षो से कार्यकर्ता हैं। आप स्वच्छ छवि की शिक्षित एवं प्रतिभावान महिला है।

सोनिया डाल

पत्नी श्री राकेश कुमार डाल

निवासी 7796, खुटेटों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर

श्रीमती सोनिया डाला सामाजिक कार्यकर्ता हैं। इन्होंने बाल निवास जयपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर के आयोजन किए हैं, कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. में वर्ष 2010-11 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनी, वर्ष 2017 से सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की संस्थापक सदस्य तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष बनाई गई। अभी आप सर्व कुमावत क्षत्रीय महासभा (रजि.) की राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर निर्वाचित होकर सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने में अपनी महती भूमिका अदा कर रही हैं।

ये भाजपा किशनपोल विधानसभा क्षेत्र, जयपुर की मण्डल मंत्री के पद पर भी अपनी सेवाएं दे रही हैं।

रेणु कुमावत, बीएसी, बीएड

पत्नी श्री चेतन कुमावत (धुंधारिया)
निवासी ए-57, पार्श्वनाथ कॉलोनी, निर्माण नगर, जयपुर-302019

शिक्षिका रेणु कुमावत ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा से एक अलग पहचान बनाई। समाज के प्रति उनके योगदान और सेवा को देखते हुए उन्हें कई सम्मानों से भी नवाजा गया। उनका मानना है कि शिक्षा ही समाज में बदलाव लाने का सबसे सशक्त माध्यम है। वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि समाज के उत्थान में भी निरंतर योगदान दे रही हैं। रेणु कुमावत उन महिलाओं में से हैं जो सरकारी सेवा, समाजसेवा और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही हैं। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

रेणुका कुमावत B.Sc., M.Sc. (Mathematics)

पत्नी अभिनंदन वर्मा (तोंदवाल)
निवासी 60, जय जवान कॉलोनी 2, टोंक रोड, जयपुर

पूर्व बैंक पीओ, एसएससी, सीजीएल उत्तीर्ण, केंद्रीय सचिवालय सेवा में सहायक अनुभाग अधिकारी के रूप में चयनित, यूपीएससी द्वारा आयोजित पदोन्नति परीक्षा उत्तीर्ण होकर अनुभाग अधिकारी (जल शक्ति मंत्रालय) में कार्यरत हैं।

इति राजोरिया (B.Sc., M.Sc. (Envi Sc.) MA (Pol.Sc.) SLET B.Ed.

पत्नी श्री जय प्रकाश कुमार
सन 2012 से अध्यापिका के पद पर रा.उ.प्रा.विद्यालय लाल्या का बास, जयपुर में कार्यरत है।

मंजू कुमावत, MA ,B.Ed, M.A, NET

पिता/पति का नाम : दिनेश कुमार कुमावत/ राजेश कुमावत
गोत्र : जलांधरा, निवासी : 11A Ya 6D इंजीनियर्स कॉलोनी, मान्यवास, मानसरोवर, जयपुर।

ये राजकीय सेवा में वर्ष 2017 से राजकीय रा. उ. मा. विद्यालय, काढ़ा, किशनगढ़ में हिंदी साहित्य की व्याख्याता हैं।

श्रीमती गीता कुमावत BSc, MA, B.Ed (पूर्व प्रधानाचार्य स्कूल शिक्षा) पत्नी श्री शंकर लाल कुमावत (मेरावंडिया)

निवासी - मकान नं. 7 शिव पैलेस माली कॉलोनी, उदयपुर

ये पढ़ाई में मेधावी होने के साथ-साथ अन्य गतिविधियों सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद में भाग लेकर जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, राजकीय सेवा में निष्ठा पूर्वक कर्तव्यों का पालन किया व समस्त सरकारी लाभान्वित योजनाओं में लाभान्वितों को जोड़ने तथा बालिकाओं को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने व आवश्यकता होने पर आर्थिक सहायता भी कर रही है।

श्रीमती प्रिया कुमावत, M.Sc. (Math), B.Ed.

पत्नी श्री रोहित कुमावत (खड़गटा)
निवासी 86, मानसिंहपुरा, टोंक रोड, जयपुर

श्रीमती प्रिया 1 अक्टूबर, 2018 से शिक्षिका हैं तथा वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नला ग्राम खण्डवा, तहसील निवाई, टोंक में द्वितीय श्रेणी की गणित की अध्यापिका के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. ममता कुमावत, MA (Economics), Ph.D.

पुत्री रतन लाल कुमावत पत्नी राज सिंह पुत्र राम सिंह (टिंकी वाले)
निवासी 54, गंगा आनन्दम कॉलोनी, गोनेर रोड, जगतपुरा, जयपुर

ममता कुमावत ने MA (Economics) मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से की तथा वह टॉपर रही। तत्कालीन राज्यपाल श्री कल्याण सिंह द्वारा इन्हें गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद इन्होंने ''वैश्विक मंदी का भारत में वित्तीय क्षेत्र पर प्रभाव उत्तरोत्तर सुधार कालावधि का अध्ययन'' विषय में Ph.D. की है।

आप अभी स्कूल शिक्षा जयपुर संभाग में सांख्यिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

नीलम कुमावत पत्नी श्री मोहित कुमावत

ये राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय महरौली, सीकर में व्याख्याता (भौतिक विज्ञान) है। इनके पति श्री मोहित कुमावत लेखा परीक्षक, रक्षा लेखा विभाग में सेवारत हैं।

एंकर प्रियंका कुमावत B.A., B.Ed., L.L.B.

पत्नी श्री पुष्पेंद्र कुमावत (मारवाल), निवासी डी 35 गोविंदपुरी, रामनगर, सोडाला, जयपुर।

प्रियंका कुमावत न केवल मंच संचालन की कला में पारंगत हैं, बल्कि उन्होंने एंकरिंग के हर आयाम में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। चाहे वह सामाजिक मंच हो, कॉर्पोरेट इवेंट, विवाह समारोह या किसी भी विषय पर आयोजित गहन परिचर्चा, प्रियंका की वाणी, आत्मविश्वास और प्रस्तुतिकरण शैली हर अवसर को जीवंत कर देती है। उनकी सबसे खास बात यह है कि वे बिना स्क्रिप्ट देखे, बिना रुके, विषय की गहराई को सहजता से छूते हुए श्रोताओं को बाँधने में पूर्ण रूप से सक्षम हैं। संवाद में उनका तार्किक दृष्टिकोण, मंच पर उनकी उपस्थिति और विषय-वस्तु की गहन समझ उन्हें एक प्रोफेशनल, प्रभावशाली और बहुआयामी एंकर के रूप में स्थापित करती है। उनकी इसी प्रतिभा के कारण उन्हें विभिन्न मंचों से कई बार सम्मानित किया जा चुका है। उनके द्वारा संचालित कार्यक्रमों को न केवल आयोजकों बल्कि दर्शकों से भी भरपूर सराहना मिली है, जो उनके कार्य की गुणवत्ता और समर्पण को दर्शाता है। प्रियंका कुमावत आज मंच संचालन के क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं।

रेणु कुमावत, Polytechnic in Computer Science

पत्नी श्री जिनेष कुमावत (मारवाल), निवासी शुभम विहार, महेश नगर, जयपुर

ये 'कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर' की कार्यकारिणी की सक्रिय सदस्या के रूप में समाज की सेवा में संलग्न है। यह व्यक्तित्व आज समाज में प्रेरणा की स्रोत बन चुकी है। इनके कार्यों में केवल दायित्वबोध नहीं, बल्कि एक आत्मीयता, एक भावनात्मक जुड़ाव और समाज के प्रति समर्पण की भावना झलकती है।

इन्होंने सामाजिक दायित्वों के साथ-साथ अपने प्रशासनिक कर्तव्यों को भी निष्ठा और दक्षता के साथ निभाया है। राजस्थान सरकार के वाणिज्यिक कर विभाग में Tax Assistant का कार्य करते हुए उन्होंने करदाताओं के साथ संवाद, नीतिगत क्रियान्वयन और पारदर्शिता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके कार्यों ने विभागीय वातावरण को मानवीय और सेवा-उन्मुख बनाया। इनकी उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए 15 अगस्त 2016 को राज्य सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जो न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह समाज के लिए भी गौरव का क्षण है।

श्रीमती निशा कुमावत पत्नी श्री विष्णु कुमावत

श्रीमती निशा कुमावत, **बी.ई. सिविल इंजीनियरिंग (गोल्ड मैडलिस्ट) है एव एम.टेक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में की है।** ये इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इण्डिया) की एसोसिएट मैम्बर तथा उदयपुर सेन्टर कार्यकारिणी की सदस्य हैं। ये इंडियन रोड कांग्रेस एवं इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस की सदस्य हैं। वर्ष 2012 से सार्वजनिक निर्माण विभाग, उदयपुर में अभियन्ता तथा वर्तमान में सहायक अभियन्ता, सायरा, उदयपुर में पदस्थापित हैं। कुमावत समाज के सामाजिक कार्यक्रमों एवं समाज उत्थान में ये अग्रणीय रहती हैं।

आयुषि कुमावत B.Tech (E.C.) M.A. Pol.Sc SLET

पत्नी श्री रोहित कुमावत

आरएएस 2018 से चयनित होकर सहकारिता इंस्पेक्टर के पद पर सहकारिता भवन, झालाना, जयपुर में कार्यरत है।

प्रियंका राजोरिया B.Com., M.Com. (ABST)

पत्नी श्री विकास कुमावत (खण्डारिया) निवासी पटेल कॉलोनी, गवर्नमेंट प्रेस के सामने, जयपुर

ये जूनियर अकाउन्टेंट की सेवा में JVVNL में चयनित हुई। वर्तमान में ये सहायक लेखाधिकारी ग्रेड-II के पद पर JVVNL, राम मंदिर, स्टेशन रोड, जयपुर में कार्यरत हैं।

प्रिती राजोरिया B.Com., M.Com.

पत्नी श्री हेमन्त बालोदिया

सन 2017 से सहायक लेखाधिकारी ग्रेड द्वितीय (आयूष सहकारिता विभाग), सहकार भवन, बाईस गोदाम में कार्यरत है।

समाजसेवी श्रीमती गीता देवी चौरमा

धर्मपत्नी स्मृतिशेष भंवरलाल जी चौरमा का जन्म उदयपुर में श्री लक्ष्मीनारायण कुमावत-श्रीमती दाखी देवी के स्नेहांगन में हुआ। परिवार में बचपन से ही अच्छे संस्कारों की शिक्षा मिली है, साथ ही बैडमिंटन की अच्छी खिलाड़ी होने का गौरव भी प्राप्त किया। कक्षा 10 की शिक्षा जीव विज्ञान विषय के साथ की।

इनका विवाह 9 दिसंबर 1965 को श्री भंवरलाल चौरमा के साथ संपन्न हुआ । नेतृत्व क्षमता का गुण इन्होंने बचपन से ही सीखना प्रारंभ कर दिया था। कुमावत समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा के पद पर भी उत्साह व निष्ठा पूर्वक कार्य किया है। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए भी एकजुट होकर उनकी कार्यकारिणी कार्य करने लगी। सन 1994 में राजनीति में कदम रखते हुए पार्षद का चुनाव भारी मतों से जीता। भारतीय जनता पार्टी की सदस्या रही। सन 2001 से सर्व समाज समिति चला रही हैं।

इन्होंने दिव्य शिवलिंग राजराजेश्वर महादेव के भव्य मंदिर का निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा कर भक्तों को समर्पित किया। समाज सेवा के प्रकल्प को एक क़दम और आगे बढ़ाते हुए भवगीत सेवा सदन ट्रस्ट का सर्व सुविधा युक्त एयर कंडीशन भव्य भवन का निर्माण कराया जिसमें 10 एयर कंडीशन कक्ष, दो बड़े हॉल, बड़ा रसोईघर और एक गार्डन का निर्माण कराया गया जिसे समाज के ज़रूरतमंद तबकों के युवक-युवतियों के लिए नि:शुल्क दिया जाता है तथा मांगलिक कार्यों के लिए नाममात्र सेवा शुल्क के साथ उपलब्ध कराया जाता है।

रश्मि बालोदिया, एम.ए. (संगीत गायन)

गायिका, गीतकार, संगीतकार

रश्मि बालोदिया जयपुर की एक प्रमुख गायिका हैं। वह जयपुर के एक संगीत परिवार से ताल्लुक रखती हैं। अपने चाचा श्री गिरिराज बालोदिया, पिता श्री मोहन कुमार बालोदिया और उस्ताद नाजिम हुसैन जाने माने कलाकारों से कम उम्र से ही गाना सीखना शुरू कर दिया था।

यही वजह थी कि संगीत और गायन में उनकी रुचि विकसित हुई। संगीत के क्षेत्र में वह लता मंगेशकर जी की प्रशंसक हैं। उन्होंने कई प्रतिष्ठित संगीत कार्यक्रमों में प्रस्तुतियां दी हैं। पिछले 10 वर्षों से जयपुर में भारत रत्न लता जी पर आधारित भव्य संगीत कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं।

राजस्थान पत्रिका द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित गोल्डन वॉयस गायन प्रतियोगिता में प्रथम उपविजेता रहीं।

अर्चना कुमावत

श्रीमती अर्चना कुमावत नगर पालिका चौमू की चेयर पर्सन रह चुकी है। ये भाजपा की निष्ठावान, ईमानदार तथा समर्पण से कार्य करने वाली महिला है। इन्हें भारतीय जनता पार्टी ने जयपुर देहात उत्तर जिला का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

चौमूं क्षेत्र में कुमावत समाज की महिला राजनीतिज्ञ के रूप में इनकी भागीदारी महत्वपूर्ण है तथा इनकी नियुक्ति से कुमावत समाज की महिलाओं को भी राजनैतिक भागीदारी तथा नेतृत्व क्षमता का नया आयाम मिलेगा।

डॉ. श्रीमती अवनी खोरानियां, पीएचडी

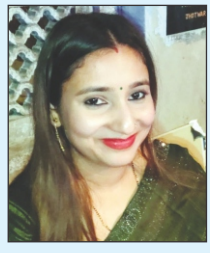

डॉ. श्रीमती अवनी खोरानियां पत्नी तनुल खोरानियां (स्व. श्रीमती यशोदा खोरानियां, समाज सेविका की पौत्र वधु) को 'माइक्रोबायोलॉजी' के अंतर्गत 'प्रिडिक्टर्स ऑफ ड्रग रेसिस्टेन्स-सीडी 4+टीसेल्स एण्ड वायरल लोड फॉर फर्स्ट लाईन एन्ट्रीरेट्रोवायरल थैरेपी इन टर्शीएरी केयर फैसिलिटीज इन जयपुर के शोध कार्य में पी एच डी की डिग्री प्रदान की गई।'

इस शोध कार्य से मानव इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (HIV) के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं के विभिन्न संयोजनो की क्षमता को समझने में मदद मिलेगी जिससे रोग की प्रगति धीमी हो सकेगी और प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

वर्तमान में आप 'न्यूरोइक्विलिब्रियम डायग्नॉस्टिक सिस्टम्स, जयपुर में अनुसंधान सहायक' पद पर शोधकार्य में कार्यरत हैं।

श्रीमती सुरक्षा

श्रीमती सुरक्षा प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत रही हैं। ये हाल ही में से जिला शिक्षा अधिकारी एवं समकक्ष पद पर पदोन्नत हुई है। 28 जून 2025 को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा अभियान, दूदू जयपुर के पद पर इन्होंने कार्यग्रहण कर लिया है। एक शिक्षिका तथा प्रिंसिपल के रूप में इन्होंने अच्छा कार्य करके समाज को गौरान्वित किया है।

प्रधानमंत्री बिजनेस लोन

(सब्सीडी 35 प्रतिशत तक)

5 लाख से 5 करोड़ तक लोन

- Industrial Project Loan
- Home Loan
- Commerical Project Loan
- Mortage Loan
- Business CC Limit
- Car Loan

SBI | यूको बैंक UCO BANK | बैंक ऑफ़ इंडिया रिश्तों की जमापूँजी | बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

Chain Sukh Kumawat Mob. 9929012957

बड़ीवाल टैक्स एण्ड लॉ एसोसियट्स

- Income Tax
- Income Tax & GST Audit
- ESI & PF Work
- TDS
- All Business Registration
- Import & Export Code
- GST
- Bank Loan Project Report
- FSSAI & Factory Licence

Personal Details

Date of Birth	:	04-12-1995
Place of Birth	:	Jaipur
Time of Birth	:	1:10 AM
Height	:	5 feet 8 inches (173 cm)
Highest Education	:	MBA
Job/Occupation	:	Manager, Pine Labs
Paternal Gotra	:	Marotia
Maternal Gotra	:	Khoraniya
Paternal Grandmother	:	Tangda
Maternal Grandmother	:	Dhundhariya

Family Details

Father's Name	:	Babu Lal Marotia
Father's Occupation	:	Artist, Shilp Guru Awarded (Show room inside City Palace, Jaipur)
Mother's Name	:	Ram Pyari Marotia
Total Sisters	:	3

Contact Details

Father's Contact No	:	9829061804/8005992633
Address	:	1649, Baba Harish Chandra Marg, Near Raiser Plaza, Jaipur

Lakshya Marotia

गीता देवी चौरमा

नाम गीता कुमावत धर्मपत्नी स्मृतिशेष भंवरलाल जी चौरमा का जन्म मेवाड़ की धरा उदयपुर में 29 अक्टूबर 1949 को पिता श्री लक्ष्मीनारायण कुमावत व माता श्रीमती के दाखी देवी कुमावत के स्नेहांगन रंगभवन में हुआ ।

परिवार में बचपन से ही अच्छे संस्कारों की शिक्षा मिली है, जिससे इन्हें जीवन में संस्कारों के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिला। शिक्षा के साथ-साथ बैडमिंटन की अच्छी खिलाड़ी होने का गौरव भी प्राप्त किया। कक्षा 10 की शिक्षा जीव विज्ञान विषय के साथ पूर्ण की। सामान्य परिवार में जन्म लेने के बाद भी ये अपने हौसलों से ही जीवन मे आगे बढ़ी हैं। ये कक्षा 8 की छात्रा थी तब छात्र समिति की अध्यक्षा भी रही।

इनका विवाह 9 दिसंबर 1965 को श्री भंवरलाल चौरमा के साथ संपन्न हआ ।

सुविधाओं का अभाव कभी मेरे लक्ष्य में बाधक नहीं बने । पतिदेव ने विद्यार्थीकाल में ही 1966 में **विद्यार्थी रस भंडार** नाम से गन्ने के रस पिलाने का छोटा सा व्यवसाय प्रारम्भ कर पारिवारिक जीवन का निर्वाह कर रहे थे। जीवन में संघर्षों के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन और चारों बच्चों को अच्छे संस्कार और शिक्षा देना ही कठोर साधना थी। कर्म के मर्म को समझते हुए मेहनत के बल कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए जीवन पथ पर चलने का प्रयास किया।

नेतृत्व क्षमता का गुण इन्होंने बचपन से ही सीखना प्रारंभ कर दिया था। कुमावत समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा के पद पर भी उत्साह व निष्ठा पूर्वक कार्य किया है। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए भी एकजुट होकर हमारी कार्यकारिणी कार्य करने लगी। सन 1994 में राजनीति में कदम रखते हुए पार्षद का चुनाव भारी मतों से जीतकर जनता की सेवा करने का संकल्प लिया तथा स्वास्थ्य समिति की सदस्य भी रही। उनके जीवनसाथी भंवर जी माड़साब का डग-डग पर अनुपम सहयोग मिला , जिनके साथ देश-विदेश की यात्राएं की।

भारतीय जनता पार्टी की सदस्या रहते हुए पार्टी की सेवा की। सन 2001 से सर्व समाज समिति चला रही हैं उसमें बहू रेणु कुमावत का भी विशेष सहयोग रहा है। संघर्षपूर्ण जीवन व उतार-चढ़ाव देखे पर हिम्मत ना हार कर सदैव आगे बढ़ने का ही प्रयास किया। अपने परिवार को साथ लेकर ही अपने लक्ष्य को पाने की जिद रखी है।

चारों बेटे - बहू स्मृति शेष लोकेश-श्यामा, योगेश-रेणु, जितेश-कांता व दुर्गेश-वीणा के साथ ही 12 पोते-पोतियाँ न सिर्फ व्यवसाय में अपना मुकाम पाया है बल्कि परिवार, समाज व देश में अपना योगदान देने पर गर्व की अनुभूति होती है। बच्चे समाज की सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। सहर्ष रूप से सामाजिक सेवा कार्य में जुटे रहते हैं और यह देख ये प्रसन्नता पूर्वक अपने जीवन को बिता रही हैं। समाज सेवा व ईश्वर के प्रति प्रगाढ़ आस्था व समर्पण भाव से दिव्य शिवलिंग **राजराजेश्वर महादेव** के भव्य मंदिर का निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा कर भक्तों को समर्पित किया। इन्होंने भव्य राम कथा एवं विष्णु कथा का भी आयोजन कराया। समाज सेवा के प्रकल्प को एक क़दम और आगे बढ़ाते हए **भवगीत सेवा सदन ट्रस्ट** की स्थापना के कर सर्वप्रथम राजराजेश्वर मंदिर के समीप ही सर्व सुविधा युक्त एयर कंडीशन भव्य भवन का निर्माण कराया जिसमें 10 एयर कंडीशन कक्ष, दो बड़े हॉल, बड़ा रसोईघर और एक गार्डन का निर्माण कराया गया जिसे समाज के ज़रूरतमंद तबकों के युवक-युवतियों के लिए निशुल्क उपलब्ध रहेगा साथ ही मांगलिक कार्यों के लिए नाममात्र सेवा शुल्क के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है।

परिवार की एकजुटता को देखकर एक सुखद एहसास होता है वे इसके लिए ईश्वर को धन्यवाद देती है। पोते-पोतियों में डॉ. पूजा उदयपुर के जिला चिकित्सालय RNT में रोगियों का उपचार सेवा कर रही है, तनु, दर्शना व यशी विवाह के पश्चात अपने ससुराल में बहू के साथ आर्किटेक्ट कौशल का पारिवारिक व्यवसाय में भी हाथ बँटा रही है है। तोषी लंदन से ग्राफिक डिजाइनिंग में मास्टर्स डिग्री कर रही है, बड़ा पोता ईश्वर अपने पिता के सपनों को बड़ा आकार देते हुए होटल बिज़नेस व जील वॉटर पार्क को विस्तार दे रहा है। मौनी, वैभव व वैदिक भी होटल मैनेजमेंट का कोर्स पूरा कर पारिवारिक व्यवसाय को एक आदर्श व वैश्विक मुकाम देने के लिए कर्मशील है। जीनी, परी व पुलक को पढ़ाई के साथ खेलों में भी बहुत सारे गोल्ड मेडल मिलने पर उम्र के इस ढलान पर नई ऊर्जा देता है। इसी वर्ष 2025 के प्रारंभ में परी को बेस्ट जर्नलिस्ट का पुरस्कार मिला तब यह आत्म संतुष्टि हुई कि बच्चे समाज व राष्ट्र हित में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। इन्होंने सभी को यही सीख दी है कि—

'सर्व जन हिताय, सर्व जन सुखाय' ही परमो धर्मः हो।

चरैवेति चरैवेति

फर्म

विद्यार्थी रस भंडार | झील वॉटर पार्क | गंगाधराय ग्रेनाइट्स | ओकेजन गार्डन | हॉवर्ड & जॉनसन होटल | दी रिसॉर्ट एंड वेडिंग डेस्टिनेशन | भैरवगढ़ रिसॉर्ट होटल वुडचेरी | होटल योइस | भवगीत गार्डन | रमाडा होटल

विज्ञापन

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

ADMISSION OPEN

Vijay Anand
International Academy

**Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri,
Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525**

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018